पटना ● गुरुवार, 22 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः222 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में 1383... 3 www. bordernewsmirror.com श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री.. 8

बदलापुर कांड

24 अगस्त को एमवीए का महाराष्ट्र बंद का ऐलान

300 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर, 72 अरेस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण मामले में राज्य सरकार ने बुधवार, 21 अगस्त को स्कूल के लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया है। इस घटना के खिलाफ 20 अगस्त को हजारों की भीड़ बदलापुर के लोकल ट्रेन के रेलवे ट्रैक पर उतर आई थी। 10 घंटे तक तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। करीब 17 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने देर रात करीब 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। अब तक 72 लोगों को अरेस्ट किया। आज भी बदलापुर में इंटरनेट और स्कूल बंद हैं। उधर, मामले की जांच के लिए आरती सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा और सरकारी वकील उज्ज्वल निकम होंगे। आरोपी को 26 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया

गया है। वहीं, महाविकास अघाड़ी ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है। घटना 12 और 13 अगस्त की है। आदर्श स्कूल में 23 साल के स्वीपर अक्षय शिंदे ने दोनों बच्चियों का यौन शोषण किया। इसके बाद दोनों लड़कियां स्कूल जाने से डर रही थीं। माता-पिता को संदेह हुआ। उन्होंने लड़की को भरोसे में लेकर पूछताछ की तो बात सामने आई। एक पेरेंट ने उसी कक्षा की दूसरी लड़की के माता-पिता से संपर्क किया। जब डॉक्टर ने जांच की तो असल घटना सामने आई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शुभदा शितोले ने पॉक्सो का मामला होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल की। बच्ची के माता-पिता ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से बदलापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। दो दिन बाद 16 अगस्त शुक्रवार देर रात केस दर्ज किया। 17 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अक्षय 1 अगस्त को ही स्कूल में कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त हुआ था। बच्चियों के परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने में 12 घंटे से ज्यादा का वक्त लगाया था।

पटियाला में किसानों और पुलिस अधिकारियों की मीटिंग रही बेनतीजा

- **शंभू बॉर्डर खोलने के मुद्दे पर हुई चर्चा, रास्ता हरियाणा पुलिस ने किया है बंद**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसानों के आंदोलन के चलते शंभू बॉर्डर पिछले छह महीने से बंद है। इस कारण लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा को आंशिक रूप से बॉर्डर खोलने को कहा था। इसी सिलसिले में आज पटियाला में पंजाब पुलिस और किसानों के वरिष्ठ अधिकारियों की अहम बैठक हो रही है। मीटिंग में एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर अर्पित शुक्ला, शौहकत अहमद परे व हरियाणा के अधिकारी मौजूद रहे। इसमें इस मुद्दे पर मंथन हुआ। लेकिन मीटिंग में कोई नतीजा नहीं निकला है। वहीं, गुरुवार को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। मीटिंग करीब एक घंटे तक चली। किसान किसानों ने मीटिंग में साफ कहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका हुआ है। यह रास्ता हरियाणा सरकार व पुलिस की तरफ से रोका गया। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार रास्ता खोलती है तो खुशी

की बात है। लोगों को फायदा होगा और हम भी दिल्ली जाएंगे। डल्लेवाल ने कहा कि हरियाणा के अधिकारियों का कहना था आप व्हीकल लेकर दिल्ली न जाए लेकिन हमने सरकार का व्यवहार देखा है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

अब सीआईएसएफ ने संभाली आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा

कॉलेज का पूर्व अधिकारी हाईकोर्ट पहुंचा, की पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ ईडी जांच की मांग

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा सीआईएसएफ ने अपने हाथ में ले ली है। सीआईएसएफ के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिटेंडेंट अख्तर अली ने आज कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ याचिका लगाई है। अली ने घोष पर कार्यकाल

के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ईडी से जांच कराने की मांग की है। उधर, सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन 10वें दिन भी जारी है। कोलकाता, दिल्ली और अन्य शहरों में भी डॉक्टरों ने आज काम नहीं किया। एम्स दिल्ली ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कमेटी बनाई है। इसके अलावा बुधवार को कोलकाता में भाजपा और कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। ममता के खिलाफ पहली बार आम आदमी पार्टी ने भी पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ 'सड़क' पर संग्राम

● दलित संगठनो ने किया भारत बंद, विपक्षी दल रहे साथ ● एससी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' का जबरदस्त विरोध ● यूपी, बिहार, झारखंड और एमपी से ओडिशा तक असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एससी और एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ आज देश भर में दलित और आदिवासी संगठन सड़कों पर उतरे हैं। इन संगठनों ने फैसले के बाद ही 21 अगस्त को बंद आयोजित करने का ऐलान किया था। इस बंद का मिलाजुला असर यूपी, बिहार, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। यूपी की बात करें तो भारत बंद का असर हाथरस, हापुड़, आगरा जैसे जिलों में दिख रहा है, लेकिन कानपुर, प्रयागराज, नोएडा, गाजियाबाद जैसे शहरों में यह बेअसर ही दिख रहा है।

बिहार में भारत बंद का असर दरभंगा, नवादा, जहानाबाद जैसे जिलों में काफी ज्यादा असर है। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने दुकानें बंद करवा दीं और आरक्षण को लेकर नारेबाजी भी की। यहां कांग्रेस, आरजेडी और वामदलों ने इस बंद का समर्थन किया है। वहीं एनडीए का हिस्सा लोजपा-रामविलास ने भी इस बंद को अपना समर्थन दिया है। झारखंड में भी इस बंद का असर दिखा है, लेकिन अलग-अलग शहरों में इसका अंतर दिखा। बड़े शहरों में इसका असर कम दिखा है, लेकिन छोटे कस्बाई शहरों में बंद प्रभावी दिखा।

बंद के कारण झारखंड में सार्वजनिक परिवाहन की बसें सड़कों से नदारद रहीं और स्कूल भी बंद हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हड़ताल के कारण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी अपना पलामू का दौरा रद्द कर दिया है। बता दें कि इस आंदोलन को बसपा, आजाद समाज पार्टी जैसे दलित विचारधारा के दलों ने समर्थन दिया है तो वहीं कांग्रेस, आरजेडी, समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दलों ने भी बंद का समर्थन किया है। अखिलेश यादव ने बंद का समर्थन करते हुए कहा कि आरक्षण की रक्षा के लिए जन-आंदोलन एक सकारात्मक प्रयास है। ये शोषित-वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के खिलाफ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है।

भारी मिस्टेक हो गया...

भारत बंद के दौरान पुलिस ने एसडीएम को ही पीट दिया

पटना (एजेंसी)। पूरे देश में कई जगहों पर भारत बंद का असर देखा जा रहा है। बिहार के कई जिलों में बंद समर्थक सड़कों पर उतरे और प्रदर्शन करते नजर आए। इस बंद की वजह से कई लोगों को मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा है। प्रदर्शनकारियों को काबू करने में पुलिस के पसीने छूटते रहे। राज्य की राजधानी पटना से एक तस्वीर सामने आई है जिसके बारे में जानने के बाद आप भी कहेंगे कि भारी मिस्टेक हो गया। दरअसल इस तस्वीर में नजर आ रहा है कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रण में करने के दौरान एसडीएम पिट गए। जी हां, इस तस्वीर में नजर आ रहा है कि पटना के डाक बंगला चौराहे पर प्रदर्शनकारी जमा हैं और पुलिस-प्रशासन उन्हें वहां से हटाने में जुटा है। कई पुलिसवालों के हाथ में डंडा है। उस वक्त ड्यूटी पर तैनात एसआई श्रीकांत कुंडलीक खांडेकर भी प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने में लगे थे। तब ही एक पुलिसवाले ने पीछे से एसडीएम को एक डंडा मारा। एसडीएम पर लाठीचार्ज होते ही वहां अन्य पुलिसवाले तुरंत दौड़ कर पहुंच गए। एसडीएम को डंडा मारने वाले पुलिसकर्मी को तुरंत वहां से हटाया गया। इधर अचानक डंडा पड़ने से एसडीएम भी चौंक गए। वो भी तुरंत पीछे मुड़कर पुलिसकर्मी को समझाने लगे। हालांकि, कुछ ही पल में पुलिसवाले को अपनी गलती का एहसास हो गया।

राहुल-खड़गे का जम्मू-कश्मीर दौरा टला, अब आज जाएंगे

विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर हो सकती है चर्चा

नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी नेताओं से मुलाकात भी संभव

श्रीनगर (एजेंसी)। लोकसभा में लीडर ऑफ अपोजिशन राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जम्मू-कश्मीर दौरा टल गया है। राहुल और खड़गे बुधवार से 2 दिनों के लिए जम्मू-कश्मीर जाने वाले थे। अब वह कल जाएंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि

राहुल और खड़गे आगामी विधानसभा चुनावी तैयारी की बैठक के लिए जम्मू और श्रीनगर में रहेंगे। इस दौरे में राहुल गांधी और खड़गे चुनाव से पहले गठबंधन के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर सीट बंटवारे के फार्मूले पर चर्चा हो सकती है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर फारुक अब्दुल्ला ने 7 अगस्त को कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनाव से पहले गठबंधन नहीं होगा। पार्टी को अपने दम पर जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर बहुमत मिलने का भरोसा है। लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा थी। इस दौरान जम्मू संभाग की 2 सीटें और यूटी लद्दाख की एकमात्र सीट कांग्रेस को दी गई। वहीं कश्मीर की 3 सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस को दी गई थीं। इस चुनाव में कांग्रेस जम्मू संभाग में दोनों सीटें बीजेपी से हार गई, जबकि लद्दाख सीट पर नेशनल कांफ्रेंस के बागी ने जीत हासिल की। इधर कश्मीर की 3 सीटों में से 2 पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की। लेकिन बारामूला सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार इंजीनियर राशिद ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हरा दिया था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

कार्यकर्ताओं के भेजे नामों में से उम्मीदवार चुनेगी बीजेपी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए 1 अक्टूबर को वोटिंग होनी है। इसके अलावा कुछ ही दिनों में नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। ऐसे में राज्य के दो मुख्य दलों भाजपा और कांग्रेस ने कैंडीडेट्स पर मंथन शुरू कर दिया है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि इसी सप्ताह पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची जारी हो सकती है। इसके लिए मंथन का दौर जारी है। भाजपा ने टिकटों पर विचार करने के लिए सर्वे भी कराए हैं। इनमें आम कार्यकर्ताओं से भी राय ली गई है कि आखिर किन

विधायकों के कामकाज से आप संतुष्ट हैं। भाजपा ने पिछले दिनों अपने सभी जिला कार्यालयों में जिला और राज्य स्तर के नेताओं से वोटिंग कराई थी। इसमें सभी से विधानसभा उम्मीदवार के लिए तीन योग्य उम्मीदवारों के नाम मांगे गए थे।

मलेशियाई पीएम का वादा, जाकिर नाईक के खिलाफ होगी कार्रवाई

हिंदुओं के खिलाफ उगलता है जहर, प्रत्यर्पण को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस्लामी प्रचारक जकिर नाईक के मामले पर कहा कि सबूत मिलने पर उनका देश कारवाई करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद एक कार्यक्रम में जाकिर नाईक के प्रत्यर्पण को लेकर पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। अनवर इब्राहिम ने कहा, यदि सबूत दिए जाएंगे तो आतंकवाद को कभी माफ नहीं किया जाएगा। किसी एक मामले की वजह से भारत-मलेशिया के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होने से नही रोका जा सकेगा। इससे पहले, भारत और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों के बीच मंगलवार को बैठक में आतंकवाद और चरमपंथी

तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात हुई। हालांकि, जाकिर नाईक के मुद्दे पर स्पष्ट बातचीत होने की पुष्टि विदेश मंत्रालय ने नहीं की। जाकिर नाईक के खिलाफ धनशोधन और कट्टरता फैलाने के आरोप हैं और एनआईए उसके खिलाफ जांच कर रही है। वह 2016 में मलेशिया चला गया और वापस नहीं लौटा। भारत उसे लगातार सौंपे जाने की मांग कर रहा है। मलेशिया के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि भी है। मलेशिया के प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी कि भारत सरकार जोरदार तरीके से इस मामले को उठाएगी लेकिन संयुक्त बयान में ऐसा नहीं रहा।

इसरो चीफ सोमनाथ ने दी चंद्रयान-3 जैसी खुशखबरी

इसरो कुछ महीनों में करने वाला है बड़ी लॉन्चिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 को चांद पर लैंड हुए एक साल पूरा होने वाला है। इससे पहले ही इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बड़ी खुशखबरी दे दी है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के चंद्र मिशन - चंद्रयान 4 और 5 के लिए डिजाइन पूरा कर लिया है और इस सिलसिले में सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की सतह पर सहजता से उपकरण उतारने के बाद पृथ्वी के इस उपग्रह की चट्टानों और मिट्टी को धरती पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष

'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को वापस लाना शामिल है। सोमनाथ ने यहां अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, हमारे पास चांद पर जाने के लिए कई मिशन हैं। चंद्रयान-3 मिशन पूरा हो चुका है। अब चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन तैयार हो चुका है और हम सरकार से मंजूरी मांग रहे हैं। इससे पहले, इसरो के अधिकारियों ने कहा था कि चंद्रयान-4 मिशन का लक्षित प्रक्षेपण वर्ष 2028 है।

रिसेप्शन में गया युवक सड़क किनारे मृत मिला, घायल मिला दोस्त

परिजनों ने हत्या का आरोप लगा एनएच तीन घंटे जाम किया

पटना, एजेंसी। थाना क्षेत्र के थाना रोड में सवेरा हॉल के निकट मंगलवार की सुबह दो युवक अपनी बाइक के साथ जख्मी हालत में मिले। इसके बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स भेज दिया गया, जहां एम्स उसका उपचार चल रहा है। मृतक भदौर थाना क्षेत्र के अजगरा निवासी 20 वर्षीय माधव उर्फ साहिल था। वर्तमान में वह बाढ़ के चोंदी मोहल्ले स्थित अपने घर में रहता था। वहीं जख्मी की पहचान अभिनव श्रीवास्तव उर्फ बबलू के रूप में की गई है। इधर, मृतक के परिजनों ने मृतक के शव को देख कर हत्या का आरोप लगा सवेरा मोड़ के पास एनएच को जाम कर दिया, जिससे दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। वे गला रेत हत्या का आरोप लगा रहे थे।

एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सैंपल लिया

इधर, लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझा-बुझा जाम को समाप्त करने का आग्रह किया। लेकिन, मोहल्ले के लोग कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। जाम करीब तीन घंटे तक रहा। गर्मी के कारण लोग बिलबिलाते दिखे। जाम में कई अधिकारियों के वाहन भी फंसे रहे। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे एएसपी अपराजित लोहान ने आक्रोशित लोगों को कार्रवाई का भरोसा देकर जाम को समाप्त करवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक एक युवक को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है। वहीं परिजनों द्वारा थाने में लिखित शिकायत नहीं दी जा सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंच जांच की व सैंपल एकत्रित किए।

बहन बोली- दोस्त बुलाकर ले गए थे, भाई ने सवेरे आने की बात कही थी

मृतक कि बहन ने बताया कि सोमवार की शाम उसके भाई को दोस्त रिसेप्शन पार्टी में जाने के लिए बुला कर ले गए थे। देर रात तक जब वह घर नहीं आया, तब भाई को फोन किया गया तो उसने कहा कि वह सुबह में घर आएगा। वह वहीं सो जाएगा। परिजन इत्मीनान से अपने घर में सोये हुए थे। इसी बीच दोनों जख्मी हालत में सड़क किनारे पड़े मिले। सुबह घूमने टहलने जाने वाले कुछ लोगों की नजर दोनों पर पड़ी। इसके बाद मोहल्ले के लोगों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी गई। मृतक की बहन का आरोप है कि भाई के शरीर पर कहीं भी कोई खरोंच तक नहीं है।

मुजफ्फरपुर में दरिंदगी की शिकार पीड़िता निकली बालिग, स्कूल में खुले कई राज

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के पारू में किशोरी से दरिंदगी मामले की जांच में बुधवार को नया मोड़ आ गया। स्कूल के दस्तावेज में पीड़िता की उम्र 19 साल 4 माह दर्ज है। पारू पुलिस ने विद्यालय के हेडमास्टर संजीव कुमार से इस संबंध में प्रतिवेदन लिया है। पुलिस अब मामले में दर्ज एफआईआर में लगी पॉक्सो की धारा को हटाने के लिए सुपरविजन में विचार करेगी। पीड़िता की मां ने एफआईआर में बेटी की उम्र 14 वर्ष बताई थी। पारू पुलिस की टीम बुधवार को पीड़िता की उम्र का सत्यापन कराने के लिए लालूछपरा के नयाटोला स्थित प्राथमिक विद्यालय में जांच करने पहुंची थी। पीड़िता से दरिंदगी के मामले में अबतक मुख्य आरोपित संजय राय सहित चार की गिरफ्तारी हो चुकी है। दो आरोपित फरार चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंगाल व नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में छापेमारी कर रही है। घटना के बाद से दोनों का मोबाइल बंद बता रहा है। इधर, घटना के बाद से लालूछपरा गांव में हुए उपद्रव को देखते हुए पुलिस कैंप कर रही है। मंगलवार को भी पुलिस गांव में मौजूद रही। उपद्रव मचाने के आरोप में गोल्डेन दास समेत 16 को जेल भेजा जा चुका है। फरार आरोपितों पर होगी इश्तेहार व कुर्की की कार्रवाई पारू कांड में फरार दो आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर इश्तेहार व कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। सरैया एसडीपीओ कुमार चंदन ने केस के आईओ को वारंट को लेकर कागजी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। पुलिस दोनों आरोपितों के परिजनों पर दबिश बना रही है। साथ ही दोनों के गिरफ्तारी वारंट के लिए कोर्ट में अर्जी भी दाखिल करेगी।

गलत तथ्य देने की आशंका, जांच होगी

पुलिस को किशोरी की हत्या के बाद एफआईआर दर्ज कराने में गलत तथ्य देने की भी आशंका है। परिजनों ने एफआईआर में पीड़िता की उम्र 14 साल बताई थी वह सही है या किसी के बहकावे में आकर गलत बताई गई है, पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है। पुलिस जांच में मिले प्रमाण पत्र में पीड़िता की जन्म तिथि 15 अप्रैल 2005 अंकित है। वर्ष 2013 में उसका नामांकन प्रथम कक्षा में हुआ था। पांचवीं तक पढ़ने के बाद उसने 5 अप्रैल 2018 को स्कूल छोड़ दिया था। इसके अनुसार वारदात के दिन तक उसकी उम्र 19 साल 4 माह से अधिक रही होगी।

12 हजार हेक्टेयर में हुआ है रोपा-तीन वर्ष बाद पंचाने नदी में आया पानी

हरनौत, एजेंसी। प्रखंड से गुजरी पंचाने नदी में तीन वर्ष बाद पानी आया है। इसके पहले वर्ष 2021 में पानी आया था। जबकि 2022 व 2023 सूखे ही गुजर गये थे। नदी में पानी आने से किसानों में काफी खुशी है। इससे अंडरग्राऊंड वाटर लेवल भी सुधरेगा। जो कि 50 फीट से नीचे जा चुका था। सामान्यत- 20 से 25 फीट पर पानी मिल जाता था, जिससे ओपेन बोरिंग आराम से चलता है। पर नदी में पानी नहीं आने से किसानों को पटवन के लिए स्टेक बोरिंग(220 फीट) करवाकर सबमर्सिबल लगवाना पड़ा। मोबारकपुर के त्रिवेणी कुमार, दक्षिणीपुर के राकेश कुमार, नर्चवार के लोकेश महतो, गंगटा के राजन यादव, अलीनगर के चंदेश्वर प्रसाद उर्फ चंदूजी, हरिहरपुर के सीताराम यादव ने बताया कि प्रखंड की गोनावां, पोआरी, लोहरा, पचौरा व बसनियावां पंचायत के हजारों एकड़ रकवे को नदी से पानी मिलता है। नदी में पानी नहीं आने से ओपेन बोरिंग सूख चुके थे। बीएओ ब्रजकिशोर चरण ने बताया कि प्रखंड में धान की खेती का लक्ष्य करीब 12 हजार एक सौ हेक्टेयर है। इसमें 12 हजार हेक्टेयर के करीब रोपा हो चुका है। किसान खरपतवार नियंत्रण के लिए निकौनी या दवा का छिड़काव करें। इसके बाद उर्वरक का व्यवहार करें। किसानों ने युरिया की कालाबाजारी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि विक्रेता अपना गोदाम खाली कर रखे हैं। वे युरिया का कृत्रिम किल्लत बनाकर दूसरे स्थान से अधिक दाम लेकर युरिया उपलब्ध करा रहे हैं। इस संबंध में बीएओ ने कहा कि जहां भी गड़बड़ी होगी। उसकी जांच कर कार्रवाई करेंगे। उन्हें अभी तक शिकायत नहीं मिली है। दो प्रखंडों को लाभ नदी में पानी आने से सिर्फ हरनौत ही नहीं, बल्कि रहुई के भी चार-पांच पंचायतों के कृषि योग्य रकवे को सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। सबसे बड़ी बात इन क्षेत्रों में अंडरग्राऊंड वाटर लेवल काफी नीचे चला गया था। नदी में पानी आने से उसमें सुधार होगा।

मुजफ्फरपुर में कटा चालान तो समस्तीपुर में आया मैसेज, एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियां

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में एक ही नंबर प्लेट पर दो जिलों में बाइक व स्कूटी दौड़ रही है। सीतामढ़ी में बाइक व मुजफ्फरपुर में स्कूटी पर एक ही नंबर प्लेट लगा है। बुधवार को यह मामला सामने आया है। मुजफ्फरपुर में स्कूटी पर ट्रिपल लोडिंग का चालान कटा, तो उसका मैसेज सीतामढ़ी के बोखड़ा थाना के नया टोला के ललन साह के मोबाइल पर मिला। उन्होंने जांच करवाई तो पता चला कि यह चालान मुजफ्फरपुर के पुरानी बाजार नाका मोड़ पर ट्रिपल लोडिंग को लेकर 18 जून 2024 को 8:35 बजे काटा गया है, जबकि ललन साह की बाइक सीतामढ़ी उनके आवास पर खड़ी है। शिकायत लेकर वे नगर थाना पहुंचे।

वहां उन्होंने थानेदार शरत कुमार को पूरी बात बताई। फिर, ट्रैफिक थाने जाकर चालान का अपडेट लिया। इसमें पता चला कि उनकी बाइक का नंबर स्कूटी पर लगा है। उस स्कूटी पर तीन लोग सवार थे।

सीसीटीवी फुटेज में स्कूटी ड्राइव कर रहे व्यक्ति का चेहरा खुला हुआ है, जबकि पीछे बैठी दो महिलाएं मास्क व चेहरे को नकाब से ढके हुई दिख रही हैं। पुलिस सीसीटीवी में दिख रहे व्यक्ति को चिन्हित करने में जुट गई है। बाइक मालिक ललन कुमार साह ने नगर थाने की पुलिस को बताया है कि वह फल दुकानदार है। मुजफ्फरपुर की ही एक बाइक एजेंसी से गाड़ी खरीदी थी। अचानक दो दिन पहले उनके मोबाइल पर ट्रिपल लोड मुजफ्फरपुर में चलने को लेकर एक हजार रुपये चलान काटे जाने का मैसेज आया, जबकि वह पिछले तीन माह में कभी मुजफ्फरपुर आए ही नहीं। जब मुजफ्फरपुर ट्रैफिक थाने आकर चालान का अपडेट लिया तो उनकी बाइक का नंबर स्कूटी पर लगा था।

12 महीने के बच्चे ने दांत से चबा कर सांप को मार डाला

गया, एजेंसी। बिहार में 12 महीने का एक बच्चा इन दिनों चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर भी इस बच्चे का वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि महज एक साल इस बच्चे ने एक बड़े सांप को चबा-चबा कर मार डाला है। मामला गया जिले का है। इस घटना से पूरे गांव वाले चकित हैं और इतना ही नहीं जिस अस्पताल में इस बच्चे के परिजन उसे लेकर गए थे वहां के कर्मचारी भी इस घटना को सुनकर हैरत में हैं। चिकित्सक भी इस बात से हैरान हैं कि जहरीले सांप की तरह दिखने वाले इस सांप को चबा कर मारने के बावजूद भी यह बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें मृत सांप को देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना 17 अगस्त की है।

फतेहपुर थाना क्षेत्र के जमुहार गांव में यह बच्चा अपने परिजनों के साथ रहता है। एक साल के इस बच्चे की पहचान रियांश के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि वो अपने घर की छत पर खेल रहा था। इसी दौरान उसका सामना इस सांप से हुआ था। इसके बाद उसने अपनी दांतों से चबा-चबा कर इस सांप को मार डाला। इसके बाद मृत सांप पर नजर पड़ते ही परिजन बच्चे को लेकर स्थानीय अस्पताल में गए और चिकित्सकों को पूरी घटना के बारे में जानकारी दी। बच्चे की मां का दावा है कि बच्चा जब छत पर खेल रहा था तब उसी वक्त एक सांप वहां आ गया। बच्चे ने सांप को खिलौना समझ कर उसे पकड़ लिया। बच्चे ने सांप को अपने मुंह में डाल कर चबाना शुरू कर दिया। बच्चे के चबाने की वजह से सांप की मौत हो गई। बच्चे की मां का यह भी कहना है कि वो इस घटना को देख कर हतप्रभ थीं।

अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का इलाज किया और उसे पूरी तरह स्वस्थ घोषित किया। अस्पताल प्रशासन ने बच्चे के परिजनों को बताया कि यह सांप जहरीला नहीं था और आम तौर पर मॉनसून सीजन में यह सांप पाए जाते हैं। बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिलने पर घर के सदस्यों ने राहत की सांस ली है।

अधिक कर्मी लगा लाइटो को शिघ्र करें दुरूस्त : नगर आयुक्त

गया, एजेंसी। लाइटों को ठीक करने के लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएं और शीघ्र ही लाइटों को दुरूस्त करें। उक्त बाते नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा ने मंगलवार को अपने कार्यालय में पितृपक्ष मेले के दौरान रोशनी व्यवस्था को लेकर बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि ईईएसएल द्वारा लगाई गई लाइटों के संबंध में शिकायतें मिल रही है।

उनके द्वारा अधिक मिस्त्री की टीम बढ़ाकर मरम्मत कराए जाने की आवश्यकता है। उन्होनें कंपनी के संबंधित प्रतिनिधि को अधिक टीम बढ़ाकर जल्द से जल्द मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर विकास और आवास विभाग द्वारा नई लाइटों के क्रय पर पूरे बिहार में रोक लगाई गई है। ऐसे में पितृपक्ष मेले में लाइटों के अति आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मरमत में लगने वाली नई लाइटों के क्रय के लिए नगर विकास विभाग से अनुमति और आवंटन की मांग की गई है।

बिहार में 6 अफसरों का वेतन रुका, 14 पैक्सों पर केस दर्ज, डीएम ने लिया ऐक्शन

पटना, एजेंसी। चावल आपूर्ति में संतोषजनक प्रदर्शन नहीं करने वाले छह प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी का वेतन अगले आदेश तक रोक दिया गया है। स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं 14 पैक्सों पर अब तक केस दर्ज किया गया है और नौ अन्य पैक्स पर केस दर्ज करने की तैयारी है। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने मंगलवार को खरीफ विपणन मौसम 2023-24 अंतर्गत धान अधिप्राप्ति और सीएमआर आपूर्ति में प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान पाया गया कि चावल आपूर्ति (सीएमआर) के मामले में पालीगंज, दुल्हिनबाजार, बिक्रम, धनरूआ, बिहटा तथा नौबतपुर

प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों ने लापरवाही बरती है। इन सभी से स्पष्टीकरण करते हुए उनका वेतन अगले आदेश तक रोक दिया गया है। डीएम ने कहा कि धान अधिप्राप्ति कार्यक्रम में चावल (सीएमआर) प्राप्त करने की अंतिम तिथि सरकार द्वारा 20 अगस्त निर्धारित थी। इसे 31 अगस्त तक विस्तारित कर दिया गया है। लापरवाही बरतने पर अब तक 14 पैक्स पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। नौ अन्य पैक्स को भी चिह्नित किया गया है। इनमें चेसी, कौड़िया, राघोपुर, बेला, पैनाल, बेर्रा, कोसुत, गोविन्दपुर बौरही और डेवां हैं। इन पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। जो भी पैक्स दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं उनके खिलाफ नीलाम पत्र दायर कर शतप्रतिशत राशि की वसूली के साथ ही उन्हें डिफॉल्टर घोषित करने की कार्रवाई की जाएगी। उनके निर्वाचन पर भी रोक लगाने की कार्रवाई होगी।

चावल जमा करने की रफ्तार धीमी, 31 तक बढ़ी तिथि : पटना। पैक्सों के चुनावी वर्ष में चावल जमा करने की रफ्तार धीमी है। अब भी 5.5 फीसदी चावल खाद्य निगम के गोदामों में जमा नहीं हो पाया है। इस बीच, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने चावल जमा करने की तिथि एक बार फिर 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। विभाग ने दूसरी बार तिथि बढ़ाई गई है। विभाग के सचिव डॉ. एन सरवण कुमार ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि चावल जमा करने में आ रही कठिनाई को देखते हुए तिथि बढ़ाई गई है। पैक्स अब 31 अगस्त तक खाद्य निगम के गोदामों में चावल जमा कर सकते हैं। इस वर्ष राज्य के पैक्सों में चुनाव है। बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार 7000 से अधिक पैक्सों में चुनाव

औराई मुख्य बाजार तक जाने वाली सड़क जर्जर, फंस रहीं गाड़ियां

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। प्रखंड मुख्यालय स्थित लोहिया चौक से औराई मुख्य बाजार तक जाने वाली सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई है। सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन आए हैं। इसमें फंसकर आए दिन दो व तीन पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। यही नहीं, रोजाना दर्जनों राहगीर चोटिल भी हो रहे हैं। मंगलवार को भी ई-रिक्शा में इन गड्ढों में फंस कर पलट गई। इसमें सवार लोग बाल-बाल बचे।

स्थानीय व्यापारी अशोक चौधरी, गुड्डू साह, भोलू साह व अन्य ने बताया कि इसकी शिकायत मंत्री से लेकर विधायक तक से की गई। लेकिन, अब तक कई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क जर्जर होने से ग्राहक भी आने से परहेज करते हैं। व्यापारी ने कहा कि सड़क का निर्माण जल्द नहीं कराया गया तो वे स्थानीय लोहिया चौक को जाम कर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

चेहल्लुम के अखाड़े के लिए लाइसेंस लेना होगा अनिवार्य

पटना, एजेंसी। चेहल्लुम व जन्माष्टमी को लेकर शांति समिति के सदस्यों की बैठक सुल्तानगंज थाने में हुई। अध्यक्षता एएसपी शरथ आरएस ने की। उन्होंने कहा कि चेहल्लुम पर निकलने वाले अखाड़ों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। लाइसेंस में पहलाम के लिए दिए गए रुट पर ही अखाड़े को निकालना होगा। डीजे पर प्रतिबंध रहेगा। सरकार की गाइडलाइन का अनुपालन करना होगा।

जन्माष्टमी को लेकर भी मंदिरों में पुलिस प्रशासन चौकस रहेगी। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने विधि व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग की अपील की। बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने पानी, बिजली, सफाई समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग रखी। बैठक में पार्षद ज्योति रंजन दास उर्फ बैजू लाल दास, गणेश कुमार, मधुरंजन कुमार चुन्नी, अनिल कुमार यादव, बहादुर, मो फैसल, मो शकील समेत दर्जनों की संख्या में लोग शामिल थे।

चेहल्लुम पर 23 को आग का मातम

पटना सिटी7 चेहल्लुम को लेकर आग का मातम 23 अगस्त को नौजर कटरा स्थित इमामबाड़ा में अंजुमन -ए -पंजेतनी की ओर से किया जाएगा। पंजेतनी के महासचिव अली इमाम, सचिव अली अब्बास ने बताया कि मजलिस और अलम का जुलूस भी निकलेगा। इसके बाद अंजुमन के लोग अंगारों पर अलम लेकर चलते हुए मातम करेंगे। 24 अगस्त को याहिया मंजिल चोआ लाल लेन से अलम व ताबूत का जुलूस निकाला जाएगा, जो पश्चिम दरवाजा तक आएगा। 25 अगस्त को जुलूस ए अलम हमाम से निकल कर शीश महल तक आएगा। जबकि, 26 अगस्त को बौली इमामबाड़ा से दुलदुल का जुलूस निकलेगा, जो नौजर कटरा तक आएगा। शाम को फिर बौली इमामबाड़ा से ही अलम का जुलूस निकलेगा, जो शाह बकार की तकिया, चैली टांड़ स्थित कर्बला तक आएगा। इधर, चेहल्लुम को लेकर शिया समुदाय की ओर से घर घर में मजलिस का सिलसिला कायम रहा। चेहल्लुम को लेकर एसडीओ गुंजन सिंह की ओर से प्रशासनिक तैयारी की जा रही है। बुधवार को शांति समिति के सदस्यों की बैठक है।

बिहार में 2000 कृषि समन्वयकों की होगी नियुक्ति, कृषि मंत्री का ऐलान

पटना, एजेंसी। राज्य में कृषि समन्वयकों के रिक्त 2 हजार पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए जल्द ही विज्ञापन प्रकाशित होगा। कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने मंगलवार को कृषि भवन में 51 नवनियुक्त कृषि समन्वयकों को नियुक्ति पत्र देते हुए यह घोषणा की। वर्तमान में कृषि समन्वयक के 4391 पद स्वीकृत हैं। इसमें अभी 2400 कृषि समन्वयक कार्यरत हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि बीपीएससी जल्द ही 866 प्रखंड कृषि पदाधिकारियों का रिजल्ट जारी करने वाला है। बीपीएससी से चयनित प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र एक माह के अंदर दे दी जाएगी। इसके साथ ही 155 नवचयनित सहायक निदेशक को भी नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग में रिक्त सभी पदों पर बहाली प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएगी। इससे किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद मिलेगी।

उत्पादन बढ़ाने में कृषि समन्वयक की भूमिका : राज्य के किसानों को खुशहाल बनाकर बिहार और देश को विकसित बनाना सरकार का लक्ष्य है। कृषि समन्वयक के माध्यम से ही किसानों तक समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक पहुंचता है। फसल उत्पादन बढ़ाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कृषि समन्वयकों की नियुक्ति होने से राज्य में कृषि विभाग की योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रचार-प्रसार करने में सहायता मिलेगी।

कृषि सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाना। कृषि समन्वयक कृषि विभाग और किसानों के बीच की कड़ी हैं। मौके पर कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल, उद्यान निदेशक अभिषेक कुमार, अपर सचिव शैलेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव मदन कुमार, मनोज कुमार, अपर निदेशक (शष्य) धनंजयपति त्रिपाठी, उप निदेशक (प्रशासन) मुकेश कुमार अग्रवाल, कृषि मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह सहित विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

युवा पीढ़ी वैज्ञानिक शोध व अविष्कार पर विशेष ध्यान दें

गया, एजेंसी। शहर के केंदुई में स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक के सभागार में मंगलवार से तीन दिवसीय हैकथॉन-2024 कार्यक्रम शुरू हुआ। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. हिरण कुमार सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी के युवाओं को वैज्ञानिक शोध व अविष्कारों पर विशेष ध्यान देना होगा। युवाओं से कहा कि वे इंजीनियर, टेक्नोलॉजिस्ट और इनोवेटर के रूप में देश की भविष्य गढ़ने की क्षमता रखते हैं। यह कार्यक्रम आपकी सीमाओं को आगे बढ़ाने, नए विचारों को खोज करने और विजन को जीवन में लाने में मदद करेगा। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा के निदेशक उदयन मिश्रा, डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, सचिव एसबीटीई व आईआईटी पटना (इंक्यूबेशन सेंटर) के जीएम जोसेफ पॉल ने वीडियो कांफ्रेंस से जुड़कर अपने विचार रखें। जल, स्वास्थ्य, विद्युत एवं शिक्षा की समस्याओं पर रचनात्मक एवं वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार के लिए अपनी-अपनी बातें रखें। छात्रों में तकनीकी शिक्षा, विज्ञान, अन्वेषण व नवाचार पर मार्गदर्शन किया। प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए हर संभव मदद देने की बात कही। कार्यक्रम में आईआईटी,पटना की ओर से उपलब्ध कराए गए टेक्निकल किट का प्रतिभागियों के बीच वितरण किया गया। कार्यक्रम में बतौर प्रतिभागी गया के राजकीय पॉलिटेक्निक के अलावा राजकीय पॉलिटेक्निक टिकारी, जहानाबाद व नालंदा के प्राचार्य,प्राध्यापक और छात्र इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में 1383 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

- सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर अनचाहे गर्भ से बचने के संसाधन उपलब्ध हैः डीपीएम
- जनसंख्या नियंत्रण हेतु नसबंदी/बंध्याकरण कराने पर लाभार्थी को मिलता है आर्थिक लाभ

बीएनएम। मोतिहारी

जिले की बढ़ती जनसंख्या पर रोक को लेकर 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा आयोजित किया गया जिसमें जिले के 1383 महिलाओं ने अपना सफल बंध्याकरण कराया है, वहीं 10 पुरुषों ने नसबन्दी करायी है। जिले के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि 3 माह पर अनचाहे गर्भ को रोकने हेतु आयुसीडी 398, पीपीआयुसीडी 1 हजार 386, 2 हजार 733 अंतरा इंजेक्शन लगाए गए। जिले में 79 हजार 560 कंडोम वितरित हुए, 17 हजार 419 माला एन, 18 हजार 816 छाया, 11 हजार 129 आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली वितरित की गई। उन्होंने बताया कि बढ़ती जनसंख्या को लेकर समुदाय को जागरूक करना बेहद जरुरी है तभी जिले की जनसंख्या पर स्थिरता सम्भव होगा।

सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच अंतर की जानकारी होनी जरूरीः डीसीएम नंदन झा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु लोगों को सही उम्र में शादी, पहले बच्चे में देरी, बच्चों के बीच सही अंतर तथा छोटा परिवार के लाभ के बारे में जागरूक करना होगा वहीं परिवार नियोजन सेवाओं के तहत् प्रदान की जाने वाली सेवा यथा- कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई/एमपीए, बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने पर बल देना आवश्यक है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी भारत भूषण ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी कराई जाती है। महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया आसान है। पुरुष नसबंदी को लेकर समाज में कई प्रकार का भ्रम फैला हुआ है। इस भ्रम को तोड़ना होगा। छोटा परिवार सुखी परिवार की अवधारणा को साकार करने के लिए पुरुष को आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाने की जरूरत है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए की प्रोत्साहन की राशि लाभार्थियों के खाते में भेजी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

"भारत की चंद्र महत्वाकांक्षाएंः चंद्रयान -3 की भूमिका" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आगामी 23 अगस्त, 2024 को "भारत की चंद्र महत्वाकांक्षाएंः चंद्रयान -3 की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित होगी। यह कार्यक्रम सफल चंद्रयान-3 मिशन के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के अप्रेंटिसशिप सेल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह सेमिनार प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को चिह्नित करने वाले राष्ट्रव्यापी उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के युवाओं को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उसके अनुप्रयोगों की संभावनाओं के प्रति आकर्षित और प्रेरित करना है। इस वर्ष की थीम है "चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूनाः भारत की अंतरिक्ष गाथा।" कार्यक्रम के दौरान अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और सीयूएसएटी, कोच्चि में एमेरिटस प्रोफेसर डॉ. सेक्कर वेंकटरमन, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकी और वायुमंडलीय विज्ञान के विशेषज्ञ प्रो. शांतनु रस्तोगी चंद्रयान -3 मिशन की उपलब्धियों पर प्रकाश डालेंगे और भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों को आगे बढ़ाने में इसके महत्व पर चर्चा करेंगे। अप्रेंटिसशिप सेल के नोडल अधिकारी डॉ. पवन कुमार कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत करेंगे और छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान में नवीनतम विकास से जोड़ने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारें में जानकारी साझा करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अकादमिक समुदाय को प्रेरित करना और छात्रों के बीच अंतरिक्ष अनुसंधान में अधिक गहरी रुचि को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का समापन भौतिकी विभाग डॉ. श्वेता सिंह द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ होगा, जो सम्मानित अतिथियों और प्रतिभागियों के योगदान को रेखांकित करेंगी।

शराब एवम शराबियो के विरुद्ध सघन अभियान में एक बलोरो के साथ भारी मात्रा में शराब पकड़ाया

बीएनएम। सिकरहना। पचपकड़ी थाना क्षेत्र दो देशों के सीमांचल से होकर गुजरने को लेकर शराब कारोबारियों के लिए सुगम सड़क बना रहता हैं। जिसको लेकर पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार अपने सभी सहकर्मियों को दो देश के सीमांचल के साथ दो थाना क्षेत्र के सीमांचल को सघन मार्गदर्शित करते हुए सभी आने जाने बालो पर विशेष ध्यान देने की बात कहते हुए, अपने गुप्तचरों से मिलकर शराब कारोबारियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। जिसका परिणामस्वरूप मंगलवार के रात्रि में गरहिया मोड़ से होकर गुजरने वाली सड़क से एक बलोरों गाड़ी पर शराब लेकर जाने की सूचनाउपरांत स्वयं थानाध्यक्ष संदीप कुमार कमान संभालते हुए नाकाबंदी कर दिया। जिसमे नेपाल से होकर आने बाली सड़क से मंगलवार रात्रि को एक बलोरी तेज गति से आते ही रोककर तलाशी लिया गया जिसपर पांच सौ अठारह बोतल नेपाली शराब के साथ दो शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जिसको अपने अभिरक्षा में लेकर थाना पर लाकर पूछताछ में एक अमित कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सा० माली पोखरभिंडा, दूसरा सुरेंद्र साह सा० बिसाही दोनो जिला शिवहर बताया। जिसको पूछताछ करने में शराब कारोबारी करने की बात कही। वही दोनो शराब तस्कर को बिहार मध्य निषेध अधिनियम एवम उत्पाद अधिनियम के तहत कांड दर्ज करते हुए अग्रिम करवाई हुए व्यवहार न्यालय के आदेशानुसार मोतिहारी जेल भेज दिया गया है।जिसकी पुष्टि थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने की हैं।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना के पांच सदसीय टीम ने की बायट की जांच

बीएनएम। बगहा

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद महेंद्रु पटना के कार्यालय आदेश के आलोक में पांच सदस्यीय जांच टीम ने बुधवार की दोपहर वाल्मीकि नगर स्थित प्रखंड शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थान (बायट) का विभागीय आदेश के आलोक में निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में वित्तीय वर्ष 2023- 24 और 2024 -25 की अवधि में किए गए सभी प्रकार के असैनिक निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच के लिए समिति का गठन कर तीन दिनों के अंदर जांच प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु निर्देशित विभागीय स्तर पर किया गया है। वाल्मीकि नगर पहुंची पांच सदसीय जांच टीम में सुषमा कुमारी संयुक्त निदेशक प्रशासन, राम विनय पासवान प्राचार्य सीटीई छपरा सारण, मनोज पांडे कार्यपालक अभियंता बीएसईआईडीसी, संतोष कुमार लिपिक लेखा शाखा एससीईआरटी, अंकित राज रेजिडेंट अभियंता एससीईआरटी शामिल रहे। पूछे जाने पर निदेशक सुषमा कुमारी ने बताया कि संस्थान में किए गए असैनिक निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पालन किया गया है।संस्थान के मुख्य गेट के नहीं रहने से आवारा पशुओं का विचरण संस्थान परिसर में हो रहा है। जिसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। और इसकी रिपोर्ट तैयार कर विभाग के वरीय अधिकारियों को सौप दी जाएगी। जांच टीम ने बताया कि संस्थान में हुए सभी प्रकार के सिविल कार्यों की जांच की गई है। और संतोषजनक पाया गया है। संस्थान की साफ-सफाई, बेहतर स्थिति में पाया गया है।इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य रौशन कुमार गुप्ता, व्याख्याता हरे राम दीक्षित, तारीक अनवर, किस्लय किशोर, शाहिद सिद्दीकी,सुदिष्ट पासवान सहित दर्जनों शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के भी डाक्टर काला बिल्ला लगाकर कर रहे कार्य

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में बुधवार को डाक्टरों ने काला बिल्ला लगाकर लोगों का उपचार किया है। समाचार के मुताबिक कोलकाता में महिला चिकित्सक के हत्या के विरोध में बिहार स्वास्थ्य सेवा संगठन द्वारा डाक्टरों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध किया। बिहार स्वास्थ्य सेवा संगठन के तिरहुत प्रमंडल के सचिव डाक्टर विनय कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आर जी केआर कॉलेज की ट्रेनी महिला चिकित्सक के साथ कुरुरता पूर्वक हत्या को लेकर बगहा अनुमंडल अस्पताल के सभी डाक्टर काला बिल्ला लगाकर 25 अगस्त तक अस्पताल में कार्य करेंगे। अस्पताल के डाक्टरों ने बताया कि हमारे संगठन द्वारा चिकित्सक के हत्या को लेकर इंसाफ की मांग कर रहे हैं।जानकारी हो कि यह प्रदर्शन लगातार कई दिनों से चिकित्सकों द्वारा किसी ना किसी रूप में स्वास्थ्य सेवा संगठनों द्वारा चलाया जा रहा है। जिससे कोलकाता में हुए ट्रेनी डाक्टर को इंसाफ मिल सके।

अधिकारियों ने आश्वासन के बाद जूस पिलाकर तोड़वाया अनशन

तीन सूत्रीय मांगों के लेकर तीन दिनों से अनशन पर बैठे थे राजू बैठा

बीएनएम। मोतिहारी

गोढ़वा मुखिया राजू बैठा द्वारा तीन सूत्रीय मांगों के समर्थन में किए जा रहे आमरण अनशन प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवम बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मोतिहारी के द्वारा तीनों मामले में एक माह का समय सीमा निर्धारित किया गया और बताया की तीनों मामले हम तीनो से संबंधित है हम तीनो आपके समक्ष उपस्थित होकर मामले में एक माह के अंदर निश्चित कारवाई का आश्वासन देते हैं। एक माह में अगर कारवाई नही हुआ तब पूछिएगा। श्री बैठा की तबियत कल अचानक खराब हो गई थी जिससे प्रशासन हरकत में आई और दोपहर प्रखंड विकास पदाधिकारी मोतिहारी सत्येंद्र कुमार पराशर ने जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। इस अवसर शंकर दास सरपंच, जगरनाथ प्रसाद समिति, यूसुफ वार्ड सदस्य, लालाबाबू पासवान वार्ड सदस्य, चंदेश्वर कुमार वार्ड सदस्य, नरेश प्रसाद, अदालत पासवान, मदन साह, राकेश कुमार डा तबरेज, महमद लालबाबु, प्रेमचंद्र कुमार, श्रवण कुमार, जगा प्रसाद, रामबनारस प्रसाद, विजय कुमार, जितेंद्र कुमार, संजय कुमार, मंटू कुमार विशाल कुमार, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सुगौली में भारत बंद का प्रखंड में रहा आंशिक असर

एससी, एसटी में छेड़छाड़ के विरोध में विभिन्न राजनीतिक दलों ने किया था राष्ट्र व्यापी बंद का आह्वान

बीएनएम। सुगौली

एससी, एसटी आरक्षण में छेड़छाड़ के मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा बुधवार को राष्ट्र व्यापी बंद का आह्वान किया गया था। प्रखंड क्षेत्र में राष्ट्र व्यापी बंद का आंशिक असर रहा। प्रखंड क्षेत्र में आने वाले सभी बाजार खुले रहे। विभिन्न चौक चौराहों पर स्थित दुकानें भी खुली रहीं।सुबह नौ बजे माकपा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और सरकार तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के विरोध में नारेबाजी की। गौरतलब है कि एस सी, एस टी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय सुनाया था। न्यायालय ने कहा था कि आरक्षण जरुरतमंदों को मिलना चाहिए। न्यायालय ने आरक्षण पाने वालों को श्रेणीबद्ध करने की बात कही थी। न्यायालय ने सवाल उठाया था कि एस सी, एस टी वर्गों में भी क्रीमी लेयर का प्रावधान क्यों नहीं हो सकता? जिसको लेकर विपक्षी दलों ने विरोध किया और राष्ट्र व्यापी बंद का आह्वान किया। बहरहाल प्रखंड क्षेत्र में बंद शांतिपूर्ण रहा।

संक्षिप्त समाचार

ससुराल वालों पर विवाहिता की हत्या का लगा आरोप

- पति, सास, ससुर सहित 10 लोग आरोपित
- सास व ससुर गिरफ्तार

बीएनएमः केसरिया। नगर पंचायत के वार्ड संख्या 11 स्थित पुरानी बाजार में मंगलवार की रात एक विवाहिता की मौत हो गई है। मृतका उक्त गाँव के नंदन साह की पत्नी शांति देवी (25) थी। हालांकि मृतका के मायके वाले ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने आरोपित सास व ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाबत मृतका की माँ तुरकौलिया निवासी शोभा देवी ने थाना में आवेदन देकर 10 लोगों को आरोपित किया है। बताया है कि पुत्री शांति की शादी वर्ष 2019 में नंदन से हुई थी। क्षमता अनुसार खर्च कर बेटी को उपहार भी दिया था। शादी के कुछ दिनों बाद शांति के पति नंदन, उसके ससुर गोपाल साह, सास सुनीता देवी सहित परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा दहेज के रूप में एक बुलेट बाइक व एक लाख रुपया की मांग की जाने लगी। मांग पूरा नहीं करने पर शांति के ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते थे। इस मामले को लेकर कई बार पंचायती कर मामला शांत कराया गया। लेकिन पुत्री को ससुरालवालों द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। मंगलवार को सूचना मिली कि शांति की मौत हो गई है। मृतका की माँ ने बताया है कि आरोपी लोगों द्वारा एक सोंची समझी साजिश के तहत बेटी शांति की हत्या की गई है। बता दें कि मृतका अपने पीछे एक चार वर्षीय पुत्र व एक वर्षीय पुत्री छोड़ गई है।इधर, प्रभारी थानाध्यक्ष शम्भू यादव ने बताया कि आरोपित ससुर गोपाल साह व सास सुनीता देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम में भेजकर मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

भारत बंद का हरसिद्धि में दिखा असर

अनुसूचित जाति जन जाति के युवा उतरे सड़क पर

बीएनएमः हरसिद्धि। अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण विरोधी सरकार के खिलाफ बुधवार को भारत बंद का आह्वान पर अनुसूचित जाति जनजाति के युवाओं ने दम खम के साथ सड़क पर आकर भारत बंद का समर्थन किया। सुबह से ही भारत बंद के समर्थको ने सभी दुकानें बंद कराया और हरसिद्धि में तीन बजे तक यातायात को प्रभावित रखा। हरसिद्धि में भारत बंद का सम्पूर्ण असर दिखा, यातायात बाधित होने से यात्री दिनभर परेशान दिखे। भारत बंद में विभिन्न राजनीतिक दल और भीम आर्मी के सदस्यों ने भाग लिया। समर्थक के द्वारा जय भीम की नारे लगाए और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निरस्त करने की मांग किया। बंदी का अगुवाई पूर्व विधान सभा प्रत्याशी शह राजद नेता नागेंद्र राम ने किया। जाम को हटाने के लिए स्थानीय पुलिस सुबह से दोपहर तीन बजे तक मस्कत करती रही। प्रदर्शन स्थल पर बिंदा राम, सुरेश कुमार राम, विशुन देव राम, बसंत पदवान सुनील पासवान, श्रवन कुमार, राजेंद्र यादव, सुजीत यादव, जौवाद आलम, सकल राम, मुकेश पासवान, अरुण कुमार , बिनय सहनी, राकेश कुमार सिंह, सुरेंद्र यादव, जयप्रकाश राम, रवि शकर पासवान, राजेंद्र राम, इत्यादि लोग उपस्थित थे।

रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी को अम्बेडकर ज्ञान मंच ने सौंपा ग्यारह सूत्री मांग

बीएनएम। रक्सौल

अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल में भारत बन्द का व्यापक असर रहा। देशव्यापी भारत बंद का आयोजन अम्बेडकर ज्ञान मंच, रक्सौल के तत्वावधान में बुधवार को अनुमंडल अध्यक्ष प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में मंच के कार्यकर्ताओं ने सुबह दस बजे से ही बारिश में भीगते हुए दिल्ली काठमांडू अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग को घंटों जाम रखा तथा संविधान और आरक्षण के समर्थन में जबरदस्त नारेबाजी करते रहे।अंबेडकर चौक पर स्थित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर संयुक्त माल्यार्पण के बाद कार्यकर्ताओं ने एससी, एसटी आरक्षण में वर्गीकरण, क्रीमीलेयर लागू करने व आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करने, अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल को जिला घोषित कर बौद्ध सर्किट से जोड़ने सहित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में नारेबाजी किया तथा शहर में में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जुलूस प्रधान पथ के रास्ते अपनी आवाज बुलंद करते हुए अनुमंडल मुख्यालय पहुंच सभा में तब्दील हो गया। तत्पश्चात, महामहिम राष्ट्रपति

को संबोधित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में चार सदस्यीय शिष्टमंडल के सदस्य प्रकाश कुमार, दिनेश कुमार, कमोद राम, रामपुकार भारती के नेतृत्व में एक स्मार पत्र एसडीओ शिवाक्षी दीक्षित व एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार को समर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगन राम, रविंद्र कुमार राम, सुरेंद्र राम, रविशंकर राम, रुदल राम, पंकज पासवान, पासवान, छोटेलाल राम, मनोज पासवान, रवि कुमार, मुन्ना कुमार, कपिलदेव राम, जयमंगल राम, पंकज कुमार, सोहन राम, सैफुल आजम, सुनील राम, सुनील कुशवाहा, सौरंजन यादव, संजय यादव सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

भारत बंदी का मिलाजुला दिखा असर,कही पूर्णतः दिखा बंदी तो कही बिल्कुल खुला रहा बाजार

बीएनएम। सिकरहना

अनुमंडल क्षेत्र के ढाका में भारत बंदी का दोपहर तक पूर्णतः बंदी का असर देखा गया। भारत बंदी का असर में सुबह से कुछ दुकानें खुला रहा तो कुछ दुकानें दस बजे के बाद खुला। वही भारत बंदी को सफल बनाने को लेकर भीम सेना के जवानों ने सड़क जाम कर बड़े वाहनों का रोक दिया गया। जिससे आमजन को जाने आने से लेकर यातायात में काफी कठिनाइयां का सामना करना पड़ा। वही छोटे वाहनों का परिचालन होता रहा। दोपहर बाद सभी वाहनों से लेकर सभी आवागमन सुचारू ढंग से सामान्य हो गया। पचपकड़ी में सुबह से ही नियमित समयानुसार सभी छोटे बड़े दुकानें खुला रहा, प्रशासन लगाती रही गस्त। पचपकड़ी थाना क्षेत्र के सभी चौक चौराहों पर छोटे बड़े सभी प्रकार की दुकानें नियमित समयानुसार खुला रहा। पचपकड़ी बाजार दो जिला की जोड़ने वाली मुख्य सड़क से लेकर बाजार हैं। लेकिन कही से भी बड़े सवारी गाड़ी को आगमन नही होने के कारण बाजार बिल्कुल सुनसान देखा गया। पचपकड़ी थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने क्षेत्र में शांति को लेकर स्वयं गस्ति करने के साथ एक सौ बारह नंबर को भी पूर्ण गतिशील रहने के साथ सभी सूचनाओं पर ध्यान रखने को देखा गया। आगे बताते चले की अनुमंडल क्षेत्र में भारत बंदी का छिटफुट असर देखा गया।

भारत बंद का केसरिया में व्यापक असर

बीएनएम। केसरिया

एससी/एसटी आरक्षण में उच्चतम न्यायालय द्वारा क्रीमीलेयर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति/जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा व भीम आर्मी द्वारा बुधवार को भारत बंद किया गया। इसका व्यापक असर केसरिया में देखने को मिला। जहाँ केसरिया बाजार की सभी दुकानें, सरकारी कार्यालय, बैंक आदि बंद रहे। साथ हीं सड़कों पर अवागमन पूरी तरह बाधित रहा। प्रदर्शनकारी पीताम्बर चौक, देवीगंज, केसरिया टोला समेत कई चौक चौराहा को करीब सात घण्टे तक जाम रखा। पीताम्बर चौक पर आयोजित नुक्कड सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुखिया हरिशंकर पासवान ने कहा कि आरक्षण में आरक्षण उन्हें किसी हाल में स्वीकार नहीं है। जिसके कारण आज भारत बंद का आह्वान किया गया है। वीरबहादुर राम ने कहा कि यह बंदी एक झांकी के तौर पर है। यदि आरक्षण में आरक्षण को लागू किया जाएगा तो आने वाले समय में इससे बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इधर विधि व्यवस्था को लेकर प्रभारी थानाध्यक्ष शम्भू यादव पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। प्रदर्शनकारियों में विनोद राम, जितेंद्र कुमार, मंजीत राम, शिवनाथ पासवान, चंचल राम, महेंद्र राम, जगरनाथ राम, अजय राम, ज्ञान प्रकाश, प्रमोद बैठा, चंदा पासवान, दिलीप पासवान, राजेन्द्र राम, गुड्डू पासवान, नितेश कुमार, संजय कुमार, संदीप कुमार, रंजीत कुमार उर्फ छोटू सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

चिंतन मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नज़र सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नज़र लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं। सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है।

सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

ललित गर्ग

भारतीय नौकरशाही संरचना के प्रभावी एवं परिणामकारी प्रदर्शन को निश्चित रूप से लेटरल एंट्री प्रक्रिया के साथ पूरक किया जा सकता है। लेटरल एंट्री नई बाहरी प्रतिभाओं को लाकर, सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है। इसके लिये वर्तमान नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो कदम उठाया है, उस पर राजनीति करने करने की बजाय उसमें देशहित को सामने रखा जाना चाहिए। वैश्वीकरण ने शासन के काम को अत्यंत जटिल बना दिया है और यही वजह है कि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता और कौशल की मांग पहले से बहुत अधिक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में थिंक-टैंकों की आवश्यकता के मद्देनजर तथा अन्य ऐसे विभागों में जहाँ विशिष्ट प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की जानी प्रासंगिक एवं उपयोगी कदम है। संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव की भूमिकाओं के लिए प्रतिभाशाली, कार्यक्षम और दक्ष भारतीय नागरिकों से 45 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करके सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का स्वागतयोग्य एवं सराहनीय प्रयोग कर रहा है। भले ही इस मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों में विरोध के स्वर देखने को मिल रहे हैं। वैसे भी ऐसे राजनीतिक लोगों एवं दलों की आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। विपक्षी दलों विशेषतः कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की है। जबकि भारत में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री का तात्पर्य सरकार के मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर पेशेवरों एवं प्रतिभाशाली कर्मियों की भर्ती से है। जिसमें प्रतिभाशाली एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य विशिष्ट कौशल और विशेषज्ञता लाना है जो पारंपरिक नौकरशाही ढांचे में उतनी प्रभावी प्रतीत नहीं हो रही है। कई संभावित और अच्छे प्रशासक हैं जो अपनी कम उम्र के दौरान सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग नहीं लेते हैं। लेटरल एंट्री उन्हें शासन तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। नया भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत निर्मित करने में इन प्रतिभाओं का उपयोग होना राष्ट्र में एक नयी रोशनी का अवतरण हो सकता है। देखा यह गया है कि जब भी ब्यूरोक्रेसी में सुधार की चर्चा होती है, तो इसका विरोध होने लगता है, जो विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ-साथ संकीर्ण राजनीति का द्योतक है। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों की ओर से जिस तरह लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई जा रही है, वह यही बताती है कि नकारात्मक राजनीति की जा रही है। यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे देश-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के निर्णयों एवं मुद्दों का विरोध करने की राजनीति की कमान राहुल गांधी अपने हाथ में लेते हुए दिख रहे हैं। कम से कम उन्हें तो इससे बचना चाहिए, क्योंकि राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वित्त सचिव के रूप में मनमोहन सिंह की नियुक्ति लेटरल एंट्री ही थी और वह भी बिना किसी

निर्धारित प्रक्रिया के। भारत में लेटरल एंट्री कोई नई बात नहीं है। पहले भी भारत में इसका फायदा उठाया जा चुका है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की नियुक्ति लेटरल एंट्री से ही की जाती रही है। पूर्व आर्थिक सलाहकार मोंटेक सिंह अहलूवालिया, आधार की नींव रखने वाले नंदन नीलेकणि जैसी बड़ी हस्तियां इसी के जरिए प्रशासन में शामिल हुईं। यह व्यवस्था तदर्थ आधार पर की गई है, यह संस्थागत नहीं है। लेटरल एंट्री की व्यवस्था सिर्फ भारत में ही है। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे पश्चिमी देशों में पहले से ही सभी क्षेत्रों के योग्य कर्मियों के लिए विशिष्ट सरकारी पदों को खोल दिया गया है। यह नौकरी के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को आकर्षित करने का एक बेहतर तरीका पाया गया है। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। इसके विपरीत वर्तमान सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत लेटरल एंट्री कर रही है। इसी कारण इसकी जिम्मेदारी संघ लोक सेवा आयोग को दी गई है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को यह भी पता होना चाहिए कि लेटरल एंट्री के जरिये जो नियुक्तियां की जा रही हैं, वे अस्थायी हैं। ये नियुक्तियां केवल तीन वर्ष के लिए हैं और उनमें अधिकतम दो वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। प्रशासन में सुधार की हर पहल को आरक्षण से जोड़ना केवल यही नहीं बताता कि वोट बैंक की सस्ती राजनीति अनियंत्रित हो रही है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि आरक्षण को हर मर्ज की दवा मान लिया गया है। यह ठीक नहीं कि होनी को अनहोनी बनाने का प्रयत्न हो। वैसे लेटरल एंट्री राष्ट्रहित का मुद्दा है। जिस पर 2002 की संविधान समीक्षा आयोग ने भी सिफ़ारिश वकालत की। मनमोहन सिंह के समय 2005 की द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए एक संस्थागत और पारदर्शी प्रक्रिया की सिफारिश की। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। नीति आयोग ने अपने तीन-वर्षीय कार्य एजेंडा में लेटरल एंट्री के विचार का समर्थन किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि लेटरल एंट्री से विशेष ज्ञान और प्रशासनिक कौशल को शामिल करके शासन में सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। शासन में सचिवों का क्षेत्रीय समूह ने भी लेटरल एंट्री प्रणाली का समर्थन किया। यह तर्क दिया गया कि लेटरल एंट्री प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को पेश करके सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया सकता है और उसे उच्च परिणामकारी बनाया जा सकता है। विरोध के लिये विरोध करने की सोच एवं उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक नीति के द्वारा किसी का भी हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होती। राहुल गांधी और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से यह जो माहौल बनाया जा रहा है कि लेटरल एंट्री के जरिये विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों की नियुक्तियों से आरक्षित वर्गों के हितों को नुकसान होगा, उसका इसलिए कोई औचित्य नहीं, क्योंकि यह कहीं नहीं कहा गया है कि इन वर्गों के लोग आवेदन नहीं कर सकते। राहुल गांधी किस तरह अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए एक झूठा विमर्श खड़ा रहे हैं, इसका पता इससे भी चलता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय स्वयं उन्होंने पूर्व सैन्य अधिकारियों को लेटरल एंट्री के जरिये सिविल सेवाओं में शामिल करने का वादा किया था। लेटरल एंट्री का उद्देश्य है कि जहां कहीं भी कुशल और जानकार लोग हों, उनकी प्रशासन के संचालन में सेवाएं ली जाएं, ताकि सरकारी नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इसमें कोई दो राय नहीं कि ब्यूरोक्रेसी में सुधार की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा करने से पहले इसे राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त करने की भी आवश्यकता है। राजनीतिक रूप से मजबूत और स्थिर नरेंद्र मोदी की सरकार ने कंपनियों के दिवालिया होने से जुड़े विवादों के निपटारे, जीएसटी लागू करने, नोटबंदी और कृषि क्षेत्र जैसे कई अहम सुधार किए हैं। मोदी सरकार ने श्रम कानूनों को भी सरल बनाया है। लेकिन, इन सुधारों को लेकर उन्हें उस वक्त के मुकाबले कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है, जब पहले पहल इन सुधारों का प्रस्ताव रखा गया था। लेटरल एंट्री जैसे मुद्दे पर भारी विरोध के बादल मंडरा सकते हैं, इसके लिये भाजपा और साथ ही मोदी सरकार को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि विपक्षी दल उसके खिलाफ झूठा नरेटिव खड़ा कर जनता को गुमराह न करने पाएं।

हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो हम अपने बच्चों को करते देखने के इच्छुक नहीं है।

विग्रम यंग

अपनी खुशियों की प्रत्येक पल का आनंद लें क्योंकि यह बुढ़ापे का अच्छा सहारा है।

क्रस्टोफर मोल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि तीज, गुरुवासरे, उ.मा. नक्षत्रे, घृति योगे, ववकरणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा प्रा.6/45 से सा.5/33 तक कजली तीज गौर पूजा, बहुला चौथ, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति, शिक्षक तथा लेक्चरार, प्रिंसपल, शिक्षक-शिक्षाविद्, डीलिट तथा पीएचडी करेगा।

मेष :- योजनाएं फलीभूत हों, प्रत्येक कार्य में विलम्ब के कारण विशेष लाभ नही होगा।

वृष :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, परिश्रम से सोचे गये कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मिथुन :- परिश्रम से सफलता के कार्य जुटायें, सोचे हुए कार्य पूर्ण अवश्य ही होवेंगे, ध्यान रखें।

कर्क :- आर्थिक चिन्ताएW संभव हों, योजनाएW फलीभूत होंगी, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह :- मानसिक बेचैनी, मित्रों से धोखा, अनायास विभ्रम कष्टप्रद होगा, ध्यान रखें।

कन्या :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हों तथा मित्रों से मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि अवश्य होगी।

तुला :- मान-प्रतिष्ठा पर आंच का भय, किसी की सहायता से सुरक्षा संभव होगी।

वृश्चिक :- आर्थिक योजन पूर्ण हों, सफलता के साधन बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा।

धनु :- असमंजस की स्थिति बनी ही रहेगी, समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे।

मकर :- समय की अनुकूलता से लाभांवित हों, कल्याणकारी योजना अवश्य ही बनेगी।

कुम्भ :- तनाव-क्लेश, अशांति, मानसिक विभ्रम तथा उत्तेजना की वृद्धि होगी, ध्यान रखें।

मीन :- मानसिक तनाव व क्लेश, अशांति, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्य बनेंगे।

सत्तापक्ष हो या विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि

अवधेश कुमार

संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया, लेकिन लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण और सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों, मंत्रियों और नेताओं द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर ने ऐसे अनेक प्रश्न उठाए हैं, जिनका उत्तर तलाशना ही होगा। संसद में हमने कभी भी इस तरह के नैरेटिव और परिदृश्य नहीं देखे। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में जिस तरह का भाषण दिया वैसा पहले कभी सुना नहीं गया। हालांकि पिछले दो वर्षों की उनकी राजनीति पर गहराई से दृष्टि रखने वालों के लिए यह अपेक्षित है। 17वीं लोक सभा के बाद के काल के लोक सभा में और बाहर उनके भाषणों और वक्तव्यों में एक क्रमबद्धता है। वह भले विवेकशील लोगों को पसंद न आए या पुराने कांग्रेसियों को भी स्वीकार नहीं हो किंतु वह इसी तरह की भाषा बोलते रहे हैं। चूंकि विपक्ष के नेता के रूप में वह बजट पर चर्चा कर रहे थे इसलिए स्वाभाविक ही मुख्य फोकस इसी पर होना चाहिए था। इस समय उनके सलाहकारों, रणनीतिकारों, थिंक टैंक आदि की रणनीति यही है कि हर अवसर पर ऐसा भाषण या वक्तव्य देना है जिनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की छवि जनता में दागदार हो, ऐसे मुद्दे उठे जिनका सीधा-सीधा उत्तर देना कठिन हो और इसके लिए किसी सीमा को स्वीकार करने की जरूरत नहीं। सामान्य तथ्यगत विरोध आक्रामकता के साथ होना कतई चिंता का विषय नहीं होगा। स्थिति इससे बहुत आगे है। भारत और भारत से जुड़े वैश्विक नैरेटिव समूहों की स्थिति ऐसी है जिसमें हमें ज्यादातर एकपक्षीय स्वर इतने प्रभावी से सुनाई पड़ते हैं कि उनमें आसानी से सच समझना कठिन हो जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का लोक सभा भाषण इस मामले में सबसे ज्यादा निशाने पर है। अखिलेश यादव ने उस पर आपत्ति उठाते हुए कहा कि आप किसी की जाति कैसे पूछ सकते हैं? राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनको अपमानित किया है लेकिन मैं इन लोगों की तरह नहीं हूं इन्हें क्षमा मांगने के लिए नहीं कहूंगा। ठाकुर भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं, उनकी पार्टी सत्ता में है इसलिए कहा जा सकता है कि अति उत्तेजना और उकसावे के बीच भी उन्हें अंतिम सीमा तक संयम का परिचय देना चाहिए। दूसरे आप पर हमला करें और आप उसी भाषा में बोले तो फिर दोनों के बीच अंतर कठिन हो जाता है। किंतु नैरेटिव की दुनिया में वर्चस्व रखने वाले समूह ने एक पंक्ति नहीं कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में सत्तारूढ़ पार्टी को उकसाने, उत्तेजित करने या चिढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। यहां तक कि बार-बार वे लोक सभा अध्यक्ष को भी परोक्ष रूप में कठघरे में खड़ा करते रहे। अध्यक्ष ओम बिरला के टोकने या आपत्ति करने पर उनका उत्तर होता था कि सर, इसे कैसे बोलें या सॉरी सर सॉरी सर, लेकिन वह उसी बात को सॉरी कहते हुए दोहराते भी रहे। अध्यक्ष के लिए भी उनको संभालना या रोकना असंभव हो गया है। यह पहली बार होगा जब संसद के अंदर विपक्ष के नेता ने सरकार को घेरने के लिए ऐसण् उपमा दी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तक घसीटे गए। चक्रव्यूह के बारे में राहुल गांधी को निश्चित रूप से कुछ गलत तथ्य दिए गए किंतु ऐसा हो जाता है। बावजूद उन्हें अपने पद के दायित्व का भान होना चाहिए था। सत्तापक्ष हो या विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। आपका सरकार से राजनीतिक वैचारिक मतभेद है और उसे प्रकट करने का अधिकार भी। वैसे उसमें भी सीमा है कि हम विरोध में कहां तक जाते हैं। कभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को इस तरह राजनीतिक दल के हमले के साथ जोड़ा नहीं गया। आप कल्पना करिए इसका संदेश देश के अंदर और बाहर क्या जाएगा। आंतरिक सुरक्षा हमारे देश में कितने नाजुक स्थिति में लंबे समय तक रहा है और बाहरी खतरे कितने बड़े हैं इसका अनुमान उन सब लोगों को है जो थोड़ा बहुत भी सुरक्षा स्थिति पर दृष्टि रखते हैं। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है जिसे कभी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी के भाषण को आधार बनाकर देश के अंदर उनके समर्थक तथा सरकार विरोधी सीमा के पार भी भारत के अनेक सुरक्षा या विदेश नीति संबंधी निर्णयों को आसानी से निशाना बनाएंगे। उनका खंडन करना भारत के लिए ज्यादा कठिन होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट के पूर्व हलवा परंपरा की तस्वीरें डालकर उन्होंने राजनीति के अपनी जाति कार्ड को खेला।

विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यतः कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाईयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दर्शाती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले API (ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाईयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने API के उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णतः बदल गई है एवं API का निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय में API के निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आज API के उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विक API उद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्न API का उत्पादन किया जा रहा है। भारत में API का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब "विश्व का फार्मेसी हब" भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकार API के उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है। वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने API के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की थी। 35 सक्रिय दवा सामग्री का विनिर्माण, जो API का लगभग 67 प्रतिशत है, जिसके लिए भारत की 90 प्रतिशत आयात पर निर्भरता है, भारत में PLI योजना के तहत प्रारम्भ किया जा चुका है। वर्ष 2022 के बाद से भारत के फार्मास्यूटिकल व्यवसाय में जबरदस्त बदलाव आया है एवं भारत अब वॉल्यूम उत्पादक से एक मूल्यवान आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। दवाई के क्षेत्र में भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो गया है। लगभग 4 वर्ष पूर्व वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की उपलब्धतता में आई भारी कमी के चलते वाहनों के उत्पादन को भारी मात्रा में घटाना पड़ा था। परंतु, इसके बाद केंद्र सरकार ने यह बीड़ा उठाया था कि सेमीकंडक्टर के निर्माण के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर का बाजार 2,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जो वर्ष 2025 तक बढ़कर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं एवं सेमीकंडक्टर की विनिर्माण इकाईयां भारत में अधिक से अधिक संख्या में स्थापित हों इसके लिए भी केंद्र सरकार द्वारा गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत द्वारा सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया जा सकता है।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ0 आर.के. सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए। बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए "प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों" की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं। काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है। न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया "पीछे के दरवाजे से भर्ती" है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे ? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी ? अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके। यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थीः संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना। आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है। इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक ज़िम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

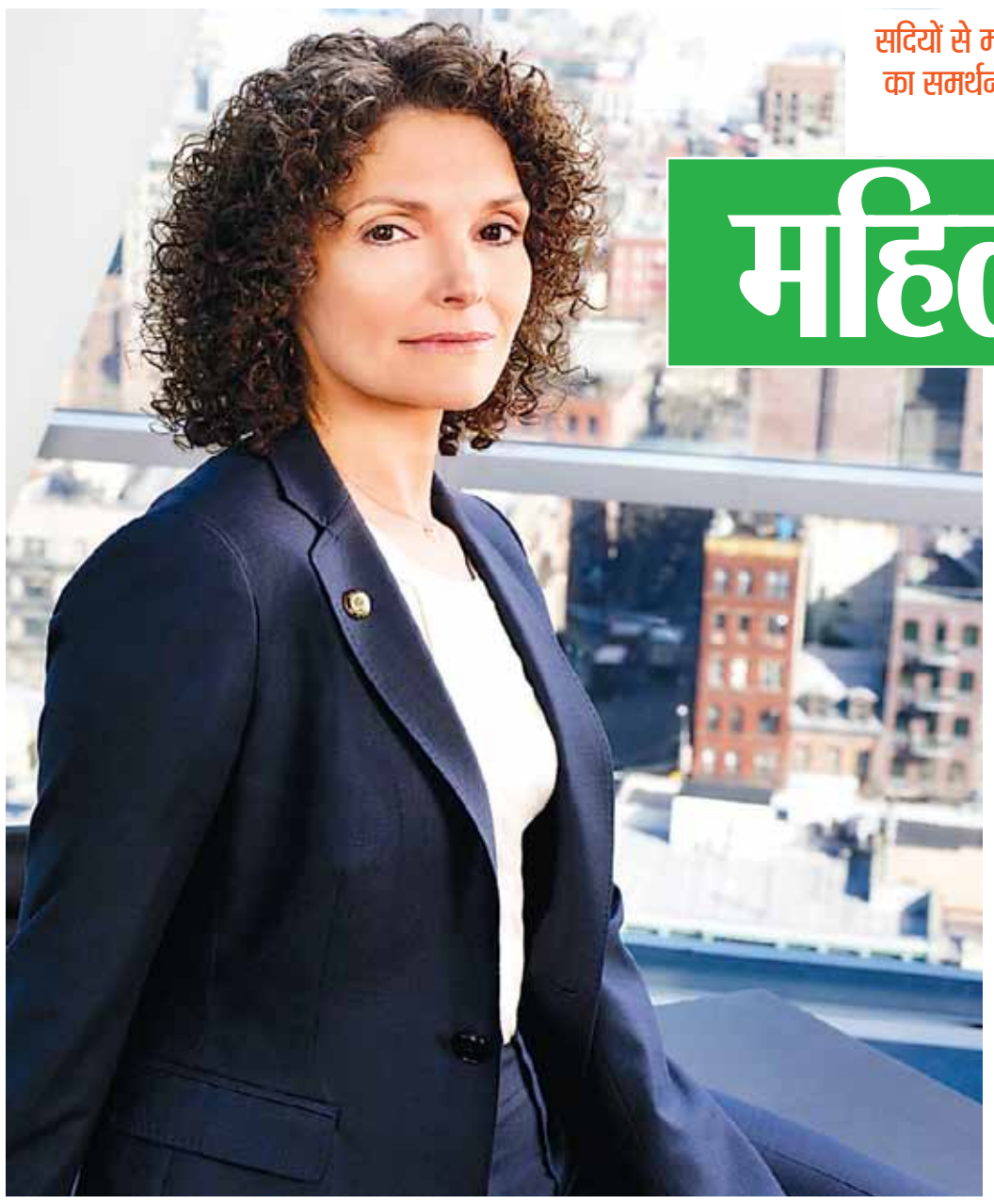

सदियों से महिलाओं की आलोचना होती आ रही है और उन्हें पुरूषवर्ग से कम समझा गया है। लेकिन पिछली कई सदी में महिला बास का समर्थन भी हुआ है। आपका प्रमोशन होता है और आपको महिला बास के आधीन काम करना पड़ता है। ऐसे में जब लोग आपको बधाइयां देते हैं तो आपको खुशी से ज़्यादा यह चिन्ता होती है कि आप महिला बास के आधीन कैसे काम करेंगे।

महिला बास: जरा बचे के?

महिला बास की महान स्थिति किसी ऐयाश पुरूष की तरह है जो कि अपने अनुसार एक हाट सेक्रेटरी रखता है या बहुत से मज़ाक का शिकार होता है। आइए यह जानने की कोशिश करें कि इस पुरानी सोच ने नया रूप कैसे लिया कि एक महिला बास का रूप सभी पुरूषों को डरा देता है। गुड़गांव के एम एन सी में काम करने वाली 26 वर्षीय अदिल चक्रवर्ती का कहना है कि मैंने पुरूष और महिला बास दोनों के साथ काम किया है, लेकिन महिला बास के साथ काम करने में ज़्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि वो क्या सोच रही हैं। अगर उनका काम उनके अनुसार नहीं हुआ तो आप अपने आपको किसी कटघरे में खड़ा महसूस करेंगे ।

क्या है वजह महिला बास के रूखेपन की

महिलाएं पुरूषों की तुलना में अधिक भावुक होती हैं और इसलिए उन्हें काम में और वास्तविक जीवन में सम्पर्क बनाने में समय लग जाता है । उन्हें यह समझाना थोड़ा मुश्किल होता है कि यह बिज़नेस है पर्सनल नहीं है। वो महिलाएं जो बोर्डरूम के बाहर बातें नहीं करतीं वो भी एक साथ खाना पसन्द करती हैं, लेकिन क्या आपने किसी पुरूष प्रतिद्वंदी को साथ में खाना खाते देखा है। पुरूष ज़्यादा काम्पटीटिव होते हैं और इसलिए वो लम्बे समय तक नहीं सोच पाते और अपने पुराने प्रतिद्वंदी पर विश्वास नहीं करते चाहे वो उसी टीम में हों। अच्छा तो यह है लिंग असहमति। लेकिन ऐसा देखा गया है कि पुरूषों की तुलना में महिलाएं एक ही समय में कई काम करने में सक्षम हैं और वो असानी से किसी भी समस्या का समाधान निकालने में समर्थ हैं।

महिला बास के व्यवहार पर पुरूषों की राय

कुछ पुरूष कर्मचारियों का मानना है कि वास्तव में महिलाएं पुरूषों की तुलना में अधिक कठोर होती हैं। कुछ पुरूष इस बात से असहमत हैं कि महिलाएं ऐसे मानक स्थापित कर रही हैं जो पुरूषों के लिए सम्भव नहीं है। बल्कि उनका मानना है कि महिलाएं कितना काम और कितने अच्छे से काम करती हैं इस बात से ज़्यादा यह बात महत्व रखती है कि वह अपने काम पर कितना ध्यान दे पाती हैं। एक पुरूष इस बात से सन्तुष्ट हो सकता है कि उसने बहुत ज़्यादा या समय पर काम किया है लेकिन एक महिला आपसे शिष्टाचार की भी उम्मीद करेगी। पब्लीशिंग हाउस के मार्केटिंग मैनेजर 32 वर्षीय रईज़ मिश्रा एक हास्यजनक घटना को याद करते हैं। उनकी महिला बास किसी भी प्रेज़ेंटेशन के दौरान अपनी नौकरानी से फोन पर बातें करती रहती थी कि उनके बच्चे को कैसे चुप करायें, कैसे सुलाए, कैसे खाना दे । हम सभी ने सोचा कि अब यह बहुत हो गया। वो प्रेज़ेंटेशन पर बिलकुल ध्यान नहीं देती थी और हमलोग अपनी प्रोडक्शन से बहुत नीचे जा चुके थे। इसके बाद भी वो 75 प्रतिशत हमारी गलतियां निकालती थीं।

क्या महिलाएं मल्टिटास्क हो सकती हैं।

क्या यह आदतें पुरूषों को डरा सकती हैं। सिन्हा ने दूसरी बात कही कि पुरूषों की तुलना में महिलाएं दोतरफा जीवन जीती हैं। घर पर वह पत्नी और मां होती हैं। काम पर आते समय उनके दिमाग में यह बातें होती हैं कि उनके बच्चे ने खाना खाया है या नहीं। नौकरानी ने रात के डिनर की तैयारी की है या नहीं। अगर घर पर काम करने की जगह कम हुई तो उन्हें प्रज़ेंटेशन का काम दो दिन में करना पड़ेगा। हर भूमिका में वो अपने जीवन के दूसरे पहलू पर ज़ोर देती है और दूसरी भूमिका के लिए ताकत जुटाती है। चाहे वह 21वीं सदी में रहने वाली भारतीय महिला हो उसे पुरूषों की तुलना में ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। अगर महिला कोई टास्कमास्टर नहीं है तो उसे हर समय काम से निकाले जाने का डर रहता है।

झन्नाटेदार स्प्रिंग रोल

सामग्री

एक पाव मैदा, एक पाव आलू उबले व छिले हुए, तलने के लिए तेल, अदरक-लहसुन का पेस्ट 2 छोटे चम्मच, धनिया पावडर, अमचूर पावडर, मिर्च, नमक, थोड़ी-सी शक्कर, थोड़ी-सी खसखस सभी प्रकार के मसाले स्वादानुसार व नमक।

विधि

सबसे पहले मैदा में नमक व मोयन डाल कर गूंध लें। आलू में अदरक-लहसुन का पेस्ट, धनिया पावडर, अमचूर पावडर, मिर्च, नमक, थोड़ी-सी शक्कर, थोड़ी-सी खसखस मिला कर फ्राय करें। अब मैदे की छोटी-छोटी लोई बना कर उसे पूड़ी के आकार का बेल लें। इस पूड़ी में पानी लगा कर आलू की सब्जी डालें। अब इसी तरह का तीन लेयर बनाएं और उसे फोल्ड कर लें। इस तैयार फोल्ड को दो-तीन इंच में काट लें। इसे हाथ से दबा लें। हाथों से दबाने पर यह स्प्रिंग की तरह दिखता है। इस स्प्रिंग को डीप फ्राय कर लें। गरमा गरम स्प्रिंग रोल्स को हरी और मीठी इमली की चटनी के साथ परोसे।

फ्राय पनीर करी

सेहतबस एक मीठी चुस्की, टेंशन की करे छुट्टीसेहत के लिए शुभ नहीं है मनचाही सर्जरीएरोबिक्स करें, फिट रहेंवामाफैशन में इन अनारकली का अनूठा अंदाजगर्ल्स के गेजेट में पिंक कलर की बहारऑफिस में क्सा हो आपका ड्रेसअपरोमांसप्यार में इकरार और इजहार दोनों जरूरीसेक्स लाइफ में सजाएं प्यार के रंगकैसे जानें कि वह आपसे प्यार करता हैफ्राय पनीर करी

सामग्री

तेल तलने के लिए, घी-2 टेबल स्पून पकाने के लिए, पनीर 250 ग्राम बाजार से लाइए, छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर भूरा होने तक फ्राय कर लें फिर एक पेपर पर निकल कर रखें। काजू 2 टेबल स्पून और मूंगफली के दाने 2 टेबल स्पून- एक साथ में पिस लें। हरी मिर्च 2 बारीक कटी, जीरा-2 टी स्पून, अदरक- 1 इंच टुकड़ा पिसा हुआ, दही आधा कप, हरे धनिया के पत्ते, नमक स्वादानुसार, काली मिर्च, अमचूर पावडर, जीरावन, जीरा पावडर, सभी मसलों की आधा टी स्पून मात्रा साथ में मिला लें।

पकाने की विधि

एक भारी कड़ाई में घी गर्म करें। अब आंच मध्यम कर जीरा, कटी हरी मिर्च, पिसी अदरक डालें। तत्पश्चात पिसे काजू और मूंगफली के दानों का मिक्चर डाल कर फ्राय करें। जैसे ही मसाले का रंग भूरा होने लगे, दही को फेंट कर इस मिश्रण में डाल कर पकाएं। साथ ही सभी मसाले सिर्फ नमक छोड़ कर मिलाएं और लगातार हिलाते हुए तीन-चार मिनटों तक पकाएं। अब आवश्यकतानुसार पानी डालकर आंच धीमी कर पकाएं, साथ ही नमक भी मिला लें। दूसरी तरफ फ्राय पनीर को एक कांच के बर्तन में पानी डालकर तीन से चार मिनट तक माइक्रोवेव में गर्म करें (ऐसा करने से पनीर नरम पड़ जाता है और अतिरिक्त तेल भी निकल जाता है) फिर पानी छान लें। अब पनीर को ग्रेवी में मिलाएं। जब पनीर ग्रेवी में पकने लगे तो कुछ देर बाद हरा धनिया डालकर एक मिनट पका कर, गरमा-गरम फलाहारी चावलों के संग परोसें।

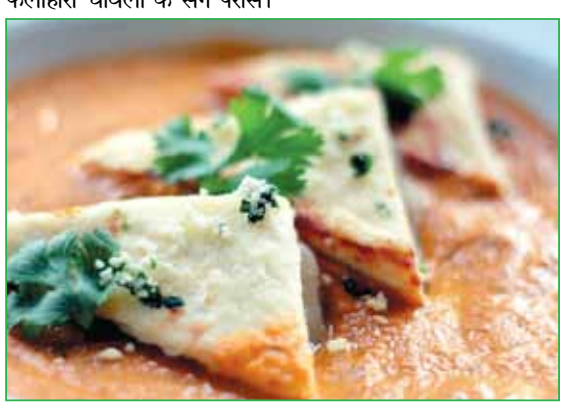

गुस्से पर काबू चाहिए तो कभी खुद के लिए भी निकालें समय

इस दुनिया में अगर आग से भी तेज कुछ है तो वो है क्रोध। गुस्सा हमें नहीं, हमारे व्यक्तित्व को जलाता है। एक क्षण के आवेग में आदमी वो कर जाता है, जिसके बाद सिर्फ पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचता। क्रोध एक क्षण में हावी होता है और दूसरे पल ही खत्म भी हो जाता है लेकिन कभी-कभी क्षणभर का गुस्सा भी सारी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है। आज के दौर में युवाओं के व्यक्तित्व में जो सबसे बड़ी कमी देखी जा रही है वो है सहनशीलता की। आइए इसके समाधान पर चलते हैं। दरअसल ये हमारे व्यक्तित्व की कमजोरी और समझ की कमी के कारण हो रहा है। आज हम दुनियाभर से संपर्क में हैं, सोशल नेटवर्किंग पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। हर एक मित्र से हर पल पूरे संपर्क में हैं लेकिन एक खास व्यक्तित्व जिसके पास भी हमें थोड़ी देर बैठना चाहिए, उसी के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। वो व्यक्तित्व है आप खुद।

निजी संबंधों को निजी ही रहने दें

लाइफ हम जहां काम करते हैं, वहां माहौल मिलाजुला होता है। किसी से बहुत घनिष्ठता होती है तो किसी से हमेशा काम को लेकर विवाद जैसी स्थिति बनी रहती है। सबसे समान रिश्ते नहीं रहते। कार्य स्थल पर अगर किसी से भी विवाद हो तो उसका सीधा असर हमारी क्षमता और काम पर पड़ता है। तनाव हमारे काम में झलकता है, काम से हमारे व्यवहार में कब उतर जाता है, पता नहीं चलता। अगर ऑफिस में तनाव है, तो वहां के खटास भरे रिश्ते हमारे साथ घर तक पीछे आते हैं। सबसे हर समय एक सा व्यवहार और एक से रिश्ते की उम्मीद नहीं की जा सकती। लोग व्यवसायिक संबंधों में भी निजत्व खोजते हैं। निजी जिंदगी को निजी ही रहने दें। उसमें व्यवसायिक रिश्तों का मिलना ठीक नहीं है। व्यवसायिक रिश्तों में एक ही चीज हमेशा खटास लाती है। वो है अपेक्षा यानी एक्सपेक्टेशन। जब हम किसी के साथ कोई काम कर रहे होते हैं तो उसमें बहुत सी उम्मीदें रखना शुरू कर देते हैं। इससे दोनों के ही व्यक्तिगत जीवन में दखल पड़ता है और उसका बोझ काम पर स्पष्ट दिखाई देता है।

एक दूसरे के निजी जीवन और निजत्व का सम्मान करें। भागवत में भगवान कृष्ण ने इसका तरीका बताया है। आपके व्यवसायिक और निजी रिश्ते कैसे भिन्न हों, ये भागवत से सीखिए। ये रिश्तों और उनके भीतर के द्वंद्व का ग्रंथ है। कृष्ण और दुर्योधन समधी थे। कृष्ण के पुत्र सांब और दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा ने विवाह किया था। फिर भी इस रिश्ते को कृष्ण ने कभी अपने कर्मक्षेत्र में नहीं आने दिया। उन्होंने महाभारत युद्ध में दुर्योधन का साथ न देते हुए पांडवों का साथ दिया। क्योंकि पांडव धर्म की राह पर थे। दुर्योधन अधर्म के मार्ग पर चल रहा था। कृष्ण ने कभी भी अपने कर्तव्य के मार्ग में रिश्तों को बाधा नहीं बनने दिया। अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए भी उनके मन में पूरा सम्मान रहा। किसी भी रिश्ते की मर्यादा को नहीं तोड़ा गया। कर्म क्षेत्र में रिश्तों की मर्यादा ना टूटे यही बड़ी बात है और सफलता का सूत्र भी है।

खूबसूरती के लिए..

आज जहां बाज़ार में प्रतिदिन नए सौंदर्य प्रसाधन और नई तकनीक आ रही है, वहीं त्वचा से सम्बन्धी समस्याओं की सूची भी कुछ कम नहीं हैं। हम सभी चाहते हैं बेदाग और खिली-खिली त्वचा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा ऐसी ही दिखे तो इसके लिए आपको अपनी त्वचा का ख्याल रखना होगा। त्वचा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का इलाज जितनी जल्दी हो करा लें, फिर चाहे आंखों के नीचे काले घेरे हों या स्ट्रैच मार्क।

उम्र के साथ झुर्रियों का पड़ना भी आम है, लेकिन अगर समय से पहले आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं या आपका सौंदर्य प्रभावित हो रहा है तो इसे अस्वीकार करें और इसका समाधान निकालें। स्ट्रैच मार्क, आंखों के नीचे काले घेरे या एक्ने जैसी समस्या से हालांकि किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती ना ही यह खतरनाक होते हैं। लेकिन इनसे साइकालाजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं क्योंकि इनसे होने वाले तनाव भी कुछ कम नहीं होते। आज ऐसी समस्याओं को स्वीकार कर लेना कोई समाधान नहीं बल्कि चिकित्सा के तरीके अपनाना अच्छा है। कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नयी तकनीक से ऐसी समस्याओं का इलाज बहुत आसानी से सम्भव हो पाया है। अपनी त्वचा का ख्याल रख आप स्वस्थ त्वचा तो पा ही सकते हैं, साथ ही आकर्षण का पात्र भी बन सकते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल के कास्मेटिक सर्जन के अनुसार कार्बोक्सीथेरेपी स्ट्रैच मार्क, सेल्युलाइट और आंखों के नीचे काले घेरों से बचने का सरल और सस्ता उपाय है। इस चिकित्सा के दौरान त्वचा में कार्बनडाइआक्साइड का इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे नयी रक्त कोशिकायें बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे सेप्टिक तरीके से किया जाये तो इससे किसी भी प्रकार के अतिरिक्त प्रभाव नहीं होते। इस चिकित्सा में आने वाले एक सिटिंग का खर्च सिर्फ 3000 से 4000 रूपये तक का है। स्ट्रैच मार्क अकसर गर्भावस्था के बाद या किशोरावस्था के दौरान होते हैं और ऐसा त्वचा के खिंचाव के कारण होता है। कार्बोक्सीथेरेपी का प्रयोग सेल्युलाइट्स से बचाव के लिए भी किया जाता है। जहां पहले स्ट्रैच मार्कस हटाने के लिए लेज़र तकनीक का प्रयोग होता था, वहीं आज कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नान सर्जिकल प्रक्रिया का प्रयोग हो रहा है जो कि बहुत सुरक्षित है। गृहणी रेशमा अपने 2 हफ्ते के बच्चे के साथ बहुत खुश हैं, लेकिन जब वो अपने शरीर पर पड़े स्ट्रैच मार्कस देखती हैं, तो वो दुखी हो जाती हैं। पाश्चात्य कपड़े पहनना उनका शौक है, लेकिन अब इन स्ट्रैच मार्कस को छिपाने के लिए उन्होंने पाश्चात्य कपड़े पहनना भी छोड़ दिया है। पिछले कई दिनों से वो अपने मित्रों से और इंटरनेट पर इस समस्या का समाधान ढूढने में लगी हैं, लेकिन वो अब तक सफल नहीं हो पाई हैं । हालांकि स्ट्रैच मार्क से उन्हें कोई समस्या नहीं, लेकिन उन्हें लगने लगा है कि उनका सौंदर्य खो रहा है। नई दिल्ली के न्यू लुक कास्मेटिक लेज़र क्लीनिक में कार्यरत वरिष्ठ कास्मेटिक सर्जन डा प्रीतम पंकज के अनुसार भारत में अधिकतर लोग सेल्युलाइट रिडक्शन और स्ट्रैच मार्क के इलाज के लिए कार्बोक्सीथेरेपी को पसंद कर रहे हैं। यह चिकित्सा बहुत ही सुरक्षित है और कम समय लेने वाली है इसलिए आफिस जाने वाले लोग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकते है। इस चिकित्सा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। सावधानी के तौर पर आपको सिटिंग के 4-5 घंटों बाद तक नहाना नहीं चाहिए और ना ही स्वीमिंग पूल में उतरना चाहिए। निशान, एक्ने और स्ट्रैच मार्क से बचने का यह एक आसान और कारगर उपाय है।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले

रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं। आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।' 'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क। पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का

मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

भारतीय टीम को घेरने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ग्रीन और मार्श से गेंदबाजी करायेंगे कमिंस

मेलबर्न। इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी के तहत ही वह भारतीय टीम के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने में लग गये हैं। कमिंस का इरादा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिशेल मार्श के जरिये भारतीय टीम को घेरने का रहेगा। ये दोनो ही अब तक बल्लेबाजी पर अधिक जोर देते रहे हैं पर अब कमिंस चाहते हैं कि यह दोनों ऑलराउंडर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में टीम के तेज गेंदबाजों का अधिक सहयोग करें। ग्रीन ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला है जबकि पिछले सत्र में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेले थे। ऐसे में ये जानते हैं कि रोहित शर्मा और विराट कोहली कब कैसे फैसले लेते हैं। कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, टीम में ऑलराउंडर होने से लाभ मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में हम उनका उतना उपयोग नहीं कर पाए जितना हमने सोचा था। यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा पर इन गर्मियों के सत्र में कुछ अलग करते हुए हम ग्रीन और मार्श को गेंदबाजी में थोड़ा अधिक जिम्मेदारी दे सकते हैं। साथ ही कहा कि ग्रीन जैसे खिलाड़ी ने शील्ड क्रिकेट में गेंदबाज के रूप में शुरुआत की थी पर टेस्ट मैचों में उसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी। अब वह पहले से अधिक परिपक्व हो गया है। मुझे लगता है कि हम उस पर थोड़ा और अधिक आधारित रहेंगे। ग्रीन ने अब तक 28 टेस्ट मैचों में 35.31 के औसत से 35 विकेट लिए हैं।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, गिरावट के बाद मिला खरीदारी का सपोर्ट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मामूली खरीदारी होने के बाद बिकवालों ने बाजार पर अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। हालांकि बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और नेस्ले के शेयर 3.15 प्रतिशत से लेकर 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 1.50 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,577 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 684 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.61 अंक टूट कर 80,667.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर कुछ देर के लिए हरे निशान में 80,814.75 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसने 175.83 अंक की कमजोरी के साथ 80,627.03 अंक तक गोता भी लगा दिया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होता नजर आ रहा है। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 38.18 अंक की गिरावट के साथ 80,764.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 18.30 अंक की गिरावट के साथ 24,680.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 24,654.50 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 18.35 अंक की मजबूती के साथ 24,717.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 378.18 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,802.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 126.20 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,698.85 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

प्रह्लाद जोशी गुरुवार को बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा की रखेंगे आधारशिला

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी गुरुवार, 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे। यह इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करने और ईवी बैटरी और चार्जर परीक्षण जैसे आगामी क्षेत्रों में परीक्षण सुविधाएं खोलने के लिए आरआरएसएल जक्कुरू परिसर कर्नाटक के बेंगलुरु में एक सैटेलाइट सेंटर खोला जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि बेंगलुरु यह नई ईवी परीक्षण सुविधा इलेक्ट्रिक वाहनों के विकासशील पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ाएगी और ईवी उद्योग को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करेगी और ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी में पर्यावरणीय स्थिरता और नवाचार के व्यापक लक्ष्यों में योगदान देगी। गौरतलब है कि आरआरएसएल, बेंगलुरु, वजन और माप उपकरणों के परीक्षण और अंशांकन के लिए कानूनी माप विज्ञान (वजन और माप) की क्षेत्रीय मानक संदर्भ मानक प्रयोगशालाओं में से एक है।

फॉक्सकॉन का कारोबार 2024 तक पहुंचा 10 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। भारत में फॉक्सकॉन कंपनी का कारोबार 2024 तक 10 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। कंपनी के चेयरमैन यंग लियू ने जानकारी दी कि फॉक्सकॉन ने अब तक भारत में 1.4 अरब डॉलर का निवेश किया है। लियू ने बताया, पिछले साल तक हमने 10 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार किया है और भविष्य में भी हमारे पास कई योजनाएं हैं। उन्होंने यह बात फॉक्सकॉन के संयंत्र के पास केवल महिलाओं के लिए बने आवासीय परिसर के उद्घाटन समारोह में कही। पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित लियू ने कहा कि देश की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान उन्होंने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की और महसूस किया कि भारत उन्नति की ओर अग्रसर है। इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने के बाद लियू की यह पहली भारत यात्रा है। लियू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के साथ अपनी लगभग एक सप्ताह लंबी भारत यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में फॉक्सकॉन के निवेश पर चर्चा की। लियू ने इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्य के मंत्रियों से भी मुलाकात की। कंपनी के महिला आवासीय परिसर का उद्घाटन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने किया। उद्घाटन के दौरान लियू ने कहा कि कंपनी स्त्री-पुरूष का अंतर किये बिना कर्मचारियों को नियुक्त करती है, लेकिन भारत में महिलाओं, विशेषकर विवाहित महिलाओं ने इसके प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी में आज तेजी आई है। ये चमकीली धातु आज 1,200 रुपये की मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,790 रुपये से लेकर 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,740 रुपये से लेकर 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 87,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में की कमाई में मामूली बढ़त

चौथे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, एमी विर्क, वाणी कपूर और फरदीन खान जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म खेल खेल में से निर्माताओं के साथ-साथ खिलाड़ी कुमार के प्रशंसकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।अब वीकेंड पर फिल्म की दैनिक कमाई में मामूली इजाफा देखने को मिला है।आइए जानते हैं चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का क्या हाल रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी रविवार को 3.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 13.95 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में ने 5.05 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन यह फिल्म 2.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया।तीसरे दिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 3.1 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।आदित्य सील और प्रज्ञा जयसवाल जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद खेल खेल में नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर सितंबर के मध्य तक हो सकता है।फिलहाल निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 की ताबड़तोड़ कमाई जारी

बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2 दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 51.8 करोड़ रुपये से ओपनिंग लेने वाली स्त्री 2 ने वीकेंड पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। फिल्म की दैनिक कमाई में बढ़ोतरी हुई है।आइए जानते हैं चौथे दिन फिल्म के खाते में कितने करोड़ रुपये आए। सैकनिल्क के मुताबिक, स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे दिन 55 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 190.55 करोड़ रुपये हो गया है। पेड प्रिव्यू के जरिए इस फिल्म ने 8.35 करोड़ रुपये कमाए थे।स्त्री 2 ने 51.8 करोड़ रुपये

के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 31.4 करोड़ रुपये कमाए।तीसरे दिन यह फिल्म 43.85 करोड़ रुपये का कारोबार करने में सफल रही। स्त्री 2 के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी निरेन भट्ट ने लिखी है।पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे सितारों ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। इसके अलावा अक्षय कुमार ने इस फिल्म में मेहमान की भूमिका निभाई है।स्त्री 2 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री का सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 180.76 करोड़ रुपये कमाए थे।

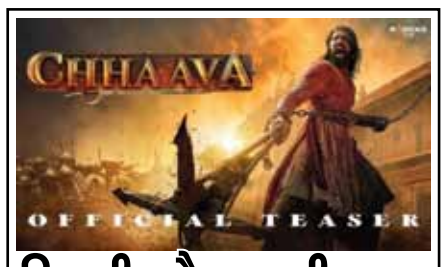

विक्की कौशल की छावा का टीजर हुआ रिलीज

छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में दिखे

विक्की कौशल की बहादुर छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका वाली फिल्म छावा का टीजर रिलीज हो गया है. टीजर में विक्की कौशल का योद्धा अवतार ने फैंस को दीवाना कर दिया है. यह टीजर स्त्री 2 से पहले दिखाया गया था और इसने फैंस को पहले ही उत्साहित कर दिया है. विक्की को महान छत्रपति शिवाजी महाराज के दुर्जेय पुत्र के रूप में एक शक्तिशाली परिचय देता है. छावा के मेकर्स ने फिल्म का धांसू टीजर रिलीज किया है. विक्की कौशल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए लिखा है, स्वराज्य के रक्षक. धर्म के रक्षक. छावा - एक साहसी योद्धा की महाकाव्य गाथा.टीजर आउट. योद्धा 6 दिसंबर 2024 को दहाड़ेगा. टीजर की शुरुआत एक रणभूमि से होती है. बैक ग्राउंड में एक दमदार डायलॉग के साथ छावा का परिचय देते हुए सुना जा सकता है. इसके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में विक्की कौशल की एंट्री होती है, जो दुश्मनों से युद्ध करते हुए नजर आते हैं. शेर की दहाड़ के साथ छत्रपति संभाजी महाराज दुश्मनों को संहार करते है. विक्की कौशल के ये अवतार ने फिल्म को लेकर और उत्सुकता बढ़ा दी है. छावा एक ऐतिहासिक ड्रामा है. छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है. फिल्म में विक्की कौशल मराठा साम्राज्य के संस्थापक के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाने वाले हैं. दूसरी ओर, रश्मिका मंदाना फिल्म में येसुबाई भोंसले की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में हैं.

सिल्वर रिवीलिंग साड़ी पहन मौनी रॉय ने शेयर किया ग्लैम लुक

टीवी से बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। मौनी रॉय हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और स्टाइलिश फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिल अदाओं से फैंस की नजरें नहीं हट पा रही हैं। मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है। यह साड़ी काफी रिवीलिंग लुक में दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय का यह लुक फैंस को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये टेम्पटिंग लुक देखकर हर कोई उनकी तारीफ करता हुआ नहीं थक रहा है। बता दें कि लोग उनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि बोल्ड लुक्स के भी दीवाने हैं। बालों को बांधकर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिपस्टिक लगाकर एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती के साथ निखारा है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय हर अंदाज में कहर ढाती हैं।

घूमर के एक साल पूरे होने पर सैयामी खेर ने इसे अपने जीवन का एक अध्याय बताया

फिल्म घूमर की सफलता से अभिनेत्री सैयामी खेर काफी खुश हैं। उन्होंने अपनी खुशी को एक्स पर पोस्ट कर जाहिर की। फिल्म घूमर एक साल पहले रिलीज हुई थी जिसमें सैयामी खैर और फिल्म स्टार अभिषेक बच्चन मुख्य रोल में नजर आए थे। फिल्म स्पोर्ट्स पर आधारित है। सैयामी ने कहा मुझे खुशी है कि फिल्म को एक साल के अंदर ही इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है; यह मेरे जीवन का एक अध्याय है। हर फिल्म में बहुत मेहनत लगती है। इस फिल्म में कड़ी मेहनत के साथ नाखून भी टूटे। बता दें कि फिल्म में सैयामी ने अनीना की भूमिका निभाई है। वहीं अभिषेक बच्चन ने कोच के रूप में दमदार अभिनय किया। सैयामी इस फिल्म में पैरा-क्रिकेटर की भूमिका में थी। जिसे अभिषेक बच्चन ने कोचिंग दी। इन दोनों के अलावा अंगद बेदी ने भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म के लिए उन्होंने निर्देशक आर. बाल्की को धन्यवाद किया और कहा कि इस फिल्म में मुझे एक अभिनेता के

रूप में निभाने के लिए बहुत कुछ उन्होंने दिया। मैं इस फिल्म में मेरा साथ देने के लिए बाल्की सर की हमेशा आभारी रहूंगी। घूमर हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा, और मैं भविष्य में ऐसे कई और अनुभवों का इंतजार कर रही हूं। इस फिल्म की कहानी में अनीना जो कि क्रिकेट खिलाड़ी हैं, उनका सपना है कि एक दिन वह भारत के लिए क्रिकेट खेले। लेकिन, एक हादसे में वह अपना दायां हाथ खो देती हैं। इस हादसे के बाद अनीना काफी टूट जाती हैं और अपने अधूरे सपने को लेकर मरना चाहती हैं। इसी बीच अभिषेक बच्चन की एंट्री होती है जो अनीना में विश्वास जगाते हैं कि वह एक हाथ से भी खेल सकती है।

मैंने प्यार किया अपनी 35वीं सालगिरह पर फिर होगी रिलीज

बालीवुड के सुपर स्टार सलमान खान और एक्ट्रेस भाग्यश्री की ब्लॉकबस्टर रोमांटिक ड्रामा फिल्म मैंने प्यार किया अपनी 35वीं सालगिरह पर सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के 1989 में रिलीज होने के बाद, प्रेम (सलमान द्वारा अभिनीत) और सुमन (भाग्यश्री द्वारा अभिनीत) के मुख्य किरदार घरेलू नाम बन गए और ये दोनों फिर से दर्शकों का दिल जीतने के लिए बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। मैंने प्यार किया के निर्माता राजश्री प्रोडक्शंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इस खबर की घोषणा की और लिखा, यह उनकी प्यार भरी दोस्ती को फिर से जीने का समय है क्योंकि #मैंने प्यार किया 23 अगस्त 2024 को चुनिंदा पीवीआर पिक्चर्स और सिनेमा पोलिस इंडिया थिएटरों में फिर से रिलीज होगी। भाग्यश्री ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर घोषणा पोस्ट को फिर से शेयर किया। राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, प्रशंसकों ने टिप्पणी अनुभाग में अपनी प्रतिक्रिया दी। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, पुनः रिलीज़ के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इसे दुनिया भर में फिर से रिलीज़ क्यों

नहीं किया गया? एक अन्य ने लिखा। एक तीसरे उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, वाह। बहुत-बहुत धन्यवाद। मैंने यह फ़िल्म थिएटर में नहीं देखी। सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है जिसमें एक युवा लड़के और लड़की की प्रेम कहानी है, जो दोस्त बन जाते हैं और बाद में एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं। लड़का एक अमीर परिवार से है और लड़की का परिवार आर्थिक रूप से इतना मजबूत नहीं है, जिसके कारण शादी करने में परेशानी होती है। लड़का अपने पिता का घर छोड़ देता है और खुद पैसे कमाने की कोशिश करता है ताकि वह अभी भी अपने प्यार सुमन के साथ रह सके।

जॉन अब्राहम की वेदा ने चौथे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये, जानिए कुल कारोबार

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा को स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।वीकेंड पर भी फिल्म की दैनिक कमाई में खास सुधार देखने को नहीं मिला है।अब वेदा की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो बहुत निराशाजनक हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के चौथे दिन 2.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 13.25 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा ने बॉक्स ऑफिस पर 6.3 करोड़ रुपये के साथ धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.8 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म 2.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।फिल्म की बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है।वेदा में जॉन के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं।

उनकी अदाकारी की फिल्म में खूब तारीफ हो रही है।अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मौनी रॉय ने फिल्म में कैमियो किया है।